मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 3 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 118 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 पेट्रो डॉलर के लिए ट्रंप की एक और सनकभरी कार्रवाई

नई क्रिएटिव पीढ़ी को मौका देने उतरीं दीपिका पादुकोण 6

झारखंड में भीषण शीतलहर, गुमला का पारा 2.2 डिग्री पर पहुंचा

कोडरमा, खूंटी, हजारीबाग, लोहरदगा और रांची में हाड़ कंपाने वाली ठंड

संवाददाता

रांची। झारखंड में भीषण शीतलहर चल रही है। सभी जिलों का न्यूनतम पारा लुढ़क गया है। छह जिलों का तापमान 5.0 डिग्री से नीचे चला गया है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने स्कूलों को 8 जनवरी तक बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। मौसम केंद्र, रांची ने भी राज्यवासियों को ठंड से बचाव को लेकर विशेष एहतियात बरतने की अपील की है। खास बात है कि 7 जनवरी को भी गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, चतरा, हजारीबाग और गुमला जिला में शीतलहर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

छह जिलों का पारा 5.0 डिग्री के नीचे : मौसम केंद्र, रांची की ओर से 6 जनवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक छह जिलों का न्यूनतम पारा 5.0 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ है। सबसे कम तापमान गुमला में 2.2 डिग्री रहा है। दूसरे स्थान पर खूंटी जिला है। यहां का तापमान 3.7 डिग्री है। इसके अलावा हजारीबाग में 3.8 डिग्री, लोहरदगा में 3.9 डिग्री, कोडरमा में 3.9 डिग्री, डाल्टनगंज में 4.6 डिग्री, सिमडेगा में 6.0 डिग्री, बोकारो में 6.0 डिग्री, पाकुड़ में 6.5 डिग्री, सरायकेला में 6.8 डिग्री, लातेहार में 6.9 डिग्री, देवघर में 6.9 डिग्री, रांची में 7.2 डिग्री, चाईबासा में 7.4 डिग्री और जमशेदपुर में 9.3 डिग्री पर पहुंच गया है।

अधिकतम पारा में जबरदस्त गिरावट : पूरे राज्य में दिन में भी कड़ाके की ठंड की वजह से लोगों का हाल बेहाल है। क्योंकि दिन का अधिकतम पारा भी लुढ़का है। राज्य के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ है। अधिकतम तापमान के मामले में कई जिले ऐसे हैं जहां का अधिकतम पारा 20 डिग्री के नीचे चला गया है। इनमें रांची, डाल्टनगंज, देवघर, कोडरमा, गुमला, लातेहार, हजारीबाग, लोहरदगा और पाकुड़ जिला शामिल हैं। हजारीबाग में अधिकतम तापमान 13.9 डिग्री, गुमला में 14.5 डिग्री, लोहरदगा में 16.0 डिग्री, कोडरमा में 16.5 डिग्री, पाकुड़ में 16.7 डिग्री, लातेहार में 16.8 डिग्री, डाल्टनगंज में 17.6 डिग्री, देवघर में 18.1 डिग्री और रांची में 18.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

विशेष सावधानी बरतने की सलाह : मौसम केंद्र, रांची ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। त्वचा को नियमित रूप से तेल या क्रीम से मॉइस्चराइज करने, विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियों का सेवन करने, कमरे में हीटर का इस्तेमाल करते समय वेंटिलेशन सुनिश्चित करने की सलाह दी है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर बढ़ता हिंसक हमला, 24 घंटे में दो हिंदुओं की हत्या

संवाददाता

ढाका : बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महज 24 घंटे के भीतर दो हिंदुओं की अलग-अलग घटनाओं में हत्या कर दी गई। पहली घटना ढाका के पास नरसिंदी जिले की है। यहां सोमवार रात 40 वर्षीय सरत चक्रवर्ती मणि की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बताया गया है कि वह नरसिंदी के पलाश उपजिला स्थित चारसिंदूर बाजार में किराने की दुकान चलाते थे। स्थानीय लोगों और चश्मदीदों के हवाले से बांग्लादेशी साप्ताहिक पत्रिका ब्लिट्ज ने बताया कि सोमवार रात अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से अचानक हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। आरोप है कि इस हमले के पीछे एक कट्टरपंथी धार्मिक समूह का हाथ हो सकता है। दूसरी घटना देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से जशोर जिले के मोनिरामपुर उपजिला में हुई। यहां 38 वर्षीय हिंदू कारोबारी राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। राणा प्रताप बैरागी कपालिया बाजार में बर्फ बनाने की फैक्ट्री के मालिक थे और साथ ही नारायल से प्रकाशित बांग्लादेशी अखबार 'दैनिक बीडी खबर' के कार्यकारी संपादक भी थे।

बांग्लादेशी बंगाली दैनिक प्रथम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार शाम करीब 5:45 बजे तीन हमलावर मोटरसाइकिल से आए। उन्होंने राणा को उनकी फैक्ट्री से बाहर बुलाया, पास की एक गली में ले गए और बेहद नजदीक से उनके सिर में गोली मार दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

मोनिरामपुर थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) मोहम्मद रजिउल्लाह खान ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को बरामद कर लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए जशोर अस्पताल भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, आरोपियों की पहचान की जा रही है, और कानूनी कार्रवाई जारी है।

इन दो हत्याओं से पहले भी बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर कई जानलेवा हमले हो चुके हैं। शनिवार को शरियतपुर जिले के दमूद्या उपजिला में खोकन चंद्र दास नामक एक हिंदू व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पिछले सप्ताह मयमनसिंह जिले के भालुका उपजिला में 40 वर्षीय बजेंद्र बिस्वास की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा, 24 दिसंबर को 29 वर्षीय अमृत मंडल की भीड़ द्वारा कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या की खबर सामने आई थी। वहीं 18 दिसंबर को 25 वर्षीय दीपु चंद्र दास को झूठे ईशनिंदा आरोप में भीड़ ने मार डाला, उसके शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई थी।

रांची के गढ़ाटोली में युवक की मौत, इलाके में शोक

रांची : सदर थाना क्षेत्र के गढ़ाटोली इलाके में मो. इनायत नाम युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन

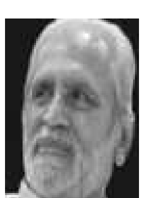

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का मंगलवार तड़के 81 साल की उम्र में निधन हो गया। कलमाड़ी के कार्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन कलमाड़ी का पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में इलाज चल रहा था। लंबी बीमारी के बाद उन्होंने सुबह करीब 3:30 बजे अंतिम सांस ली।

पुणे से पूर्व सांसद और रेलवे राज्य मंत्री रहे कलमाड़ी के परिवार में उनकी पत्नी, बेटा, बहू, दो बेटियां, दामाद और पोते-पोतियां हैं। उनका पार्थिव शरीर दोपहर 2 बजे तक पुणे के एरंडवाने स्थित उनके आवास, कलमाड़ी हाउस में रखा जाएगा। अंतिम संस्कार दोपहर 3:30 बजे पुणे के नवी पेठ स्थित वैकुंठ श्मशान भूमि में किया जाएगा।

नेपाल के बीरगंज में हिंसा,भारत की सीमा पर अलर्ट

काठमांडू : प्रशासन का कहना है कि कर्फ्यू के दौरान सुरक्षा बलों को आदेश दिया है कि किसी भी उपद्रवी को वे गोली मार सकते हैं। आम लोगों को सलाह दी गई है कि बेहद जरूरी काम से ही बाहर निकलें। इसके अलावा आसपास में किसी तरह के उपद्रव की स्थिति में 100 नंबर पर कॉल करें। कहा जा रहा है कि इस मामले की शुरूआत दो युवकों हैदर अंसारी और अमानत अंसारी द्वारा टिकटॉक पर एक वीडियो शेयर करने के बाद हुई। इस वीडियो को लेकर हिंदू समुदाय के लोगों का कहना था कि इससे हमारी भावनाएं आहत हुई हैं। दोनों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। फिर यह तनाव और बढ़ गया, जब कमला इलाके में एक मस्जिद में तोड़फोड़ किए जाने की खबर आई।

इसके बाद जब स्थानीय तौर पर तनाव बढ़ा तो टिकटॉक पर ही कई ऐसे वीडियो वायरल हुए, जिससे अफवाहों ने जोर पकड़ा और पूरे बीरगंज में ही तनाव की स्थिति पैदा हो गई। उपद्रव भी हुए और कुछ लोगों ने पत्थरबाजी की। अंत में पुलिस-प्रशासन ने कर्फ्यू ही लगा दिया ताकि हालात को कंट्रोल किया जा सके। प्रशासन का कहना है कि कर्फ्यू के दौरान सुरक्षा बलों को आदेश दिया है कि किसी भी उपद्रवी को वे गोली मार सकते हैं। आम लोगों को सलाह दी गई है कि बेहद जरूरी काम से ही बाहर निकलें। इसके अलावा आसपास में किसी तरह के उपद्रव की स्थिति में 100 नंबर पर कॉल करें। कहा जा रहा है कि इस मामले की शुरूआत दो युवकों हैदर अंसारी और अमानत अंसारी द्वारा टिकटॉक पर एक वीडियो शेयर करने के बाद हुई।

एक टिकटॉक वीडियो के चलते शुरू हुआ था बवाल : इस वीडियो को लेकर हिंदू समुदाय के लोगों का कहना था कि इससे हमारी भावनाएं आहत हुई हैं। दोनों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। फिर यह तनाव और बढ़ गया, जब कमला इलाके में एक मस्जिद में तोड़फोड़ किए जाने की खबर आई। इसके बाद जब स्थानीय तौर पर तनाव बढ़ा तो टिकटॉक पर ही कई ऐसे वीडियो वायरल हुए, जिससे अफवाहों ने जोर पकड़ा और पूरे बीरगंज में ही तनाव की स्थिति पैदा हो गई। उपद्रव भी हुए और कुछ लोगों ने पत्थरबाजी की। अंत में पुलिस-प्रशासन ने कर्फ्यू ही लगा दिया ताकि हालात को कंट्रोल किया जा सके।

ममता बनर्जी के रेल मंत्री कार्यकाल के दौरान कैटरिंग आरक्षण की होगी जांच

एनएचआरसी ने रेलवे बोर्ड को भेजा नोटिस

नई दिल्ली : वर्ष 2010 में तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान लागू की गई रेलवे कैटरिंग नीति एक बार फिर विवादों में आ गई है। आरोप है कि उस समय रेलवे के खान-पान स्टॉल और कैंटीन के संचालन की ठेकेदारी से जुड़ी आईआरसीटीसी की टेंडर प्रक्रिया में नीति स्तर पर बदलाव कर अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को 9.5 प्रतिशत तक आरक्षण दिया गया था। इस मुद्दे को लेकर लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नामक एक कार्यकर्ता ग्रुप ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि यह आरक्षण तुष्टिकरण की नीति के तहत किया गया प्रतीत होता है और यह संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि इस फैसले के कारण एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के अधिकारों में कटौती हुई, जो उनके संवैधानिक अधिकारों पर अतिक्रमण जैसा है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने रेलवे बोर्ड को नोटिस जारी किया है। आयोग ने रेलवे बोर्ड से इस पूरे मामले की जांच करने और विधिसम्मत उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, वर्ष 2009-10 के रेल बजट भाषण के दौरान तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बेहतर गुणवत्ता का भोजन, साफ पीने का पानी, स्वच्छ शौचालय और सफाई सुनिश्चित करने की घोषणा की थी।

उन्होंने यह भी कहा था कि जन आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी और राष्ट्रीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को रेलवे कैटरिंग में शामिल किया जाएगा।

इसी घोषणा के आधार पर रेलवे बोर्ड द्वारा 21 जुलाई 2010 को नई कैटरिंग नीति तैयार कर लागू की गई। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (टूरिज्म एंड कैटरिंग) मणि आनंद द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि यह नीति वित्त और विधि निदेशालय की सहमति से बनाई गई है और इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। इस संबंध में सभी भारतीय रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को निर्देश भेजे गए थे और आईआरसीटीसी को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया था।

अब, एक दशक से अधिक समय बाद, इस नीति में कथित आरक्षण प्रावधान को लेकर उठे सवालों ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

गोइलकेरा में हाथी ने मचाया कोहराम तीन दिन में पांच को कुचलकर मार डाला

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा प्रखंड क्षेत्र में एक उन्मत्त जंगली हाथी ने कोहराम मचा दिया है। पिछले तीन दिनों में इस हाथी के हमले में पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ताजा घटना सोमवार देर रात की है, जब इस हाथी ने एक ही परिवार पर हमला कर एक व्यक्ति और उसके मासूम बच्चों की जान ले ली। बताया गया कि इस हाथी ने देर रात कुंदरा बाहदां के घर पर हमला कर दिया। उस वक्त परिवार के लोग सोए थे। हाथी ने घर तोड़ना शुरू किया तो परिवार के लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन उसने कुंदरा बाहदा और उनके पुत्र कोदमा बाहदा और पुत्री सामू बाहदा को कुचलकर मार डाला। भागने के दौरान परिवार की एक अन्य बच्ची जिंगी बाहदा गंभीर रूप से घायल हो गई है। उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पड़ोसी राज्य ओडिशा के राउरकेला रेफर कर दिया है। इससे एक दिन पहले रविवार देर रात गोइलकेरा प्रखंड के बिला कुंडूकोचा गांव में 56 वर्षीय महिला जोंगा कुई की हाथी के हमले में मौत हो गई थी। बताया गया कि महिला अपने घर में सो रही थी, तभी हाथी ने घर पर हमला कर दिया और उसे कुचल दिया। इस घटना में उसके पति चंद्रमोहन लागुरी किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। वहीं, शुक्रवार की रात चाईबासा के सैयतवा वन क्षेत्र स्थित एक बस्ती में खलिहान में सो रहे 13 वर्षीय रेंगा कैयाम को हाथियों ने कुचलकर मार डाला था। वन विभाग के अनुसार, इस दंतैल हाथी की गतिविधियां पिछले कई दिनों से गोइलकेरा और आसपास के इलाकों में देखी जा रही हैं। हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने और स्थिति पर काबू पाने के लिए सोमवार को पश्चिम बंगाल से 10 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिमी सिंहभूम जिले में पिछले दो महीने में हाथियों के कुचलने से कुल 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से छह मौतें अकेले गोइलकेरा प्रखंड में दर्ज की गई हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में भय के साथ-साथ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन से हाथियों के आतंक से स्थायी निजात दिलाने तथा मृतकों और घायलों के परिवारों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है। भारतीय वन्यजीव संस्थान की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में वर्ष 2000 से 2023 के बीच हाथियों के हमलों की 1740 घटनाएं सामने आईं,

शरजील-उमर को जमानत न मिलने के बाद जेएनयू में आधी रात प्रदर्शन

पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी

नई दिल्ली : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में उस समय तनाव का माहौल बन गया जब छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और विवादित नारे लगाए गए।

सोमवार रात हुए विरोध प्रदर्शन के एक कथित वीडियो के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की गई। यह घटना 5 जनवरी 2020 को जेएनयू परिसर में छात्रों पर हुए हमले की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत न मिलने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले की जांच में जुट गया है और घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है।

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की प्रेसिडेंट अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल, स्टूडेंट्स 5 जनवरी, 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने बताया, 'विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर भी व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी खास व्यक्ति के लिए नहीं थे।' बता दें कि 5 जनवरी, 2020 को कैंपस में हिंसा भड़क गई थी। जब नकाबपोश लोगों की भीड़ कैंपस में घुस गई और तीन हॉस्टलों में छात्रों को निशाना बनाया। लाठियों, पत्थरों और लोहे की रॉड से हमला किया, हॉस्टल में रहने वालों को पीटा और खिड़कियां, फर्नीचर और निजी सामान तोड़ दिए। करीब दो घंटे तक कैंपस में अफरा-तफरी मची रही, जिसमें खठव स्टूडेंट्स यूनियन की प्रेसिडेंट आइशी घोष समेत कम से कम 28 लोग घायल हो गए।

दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा बोले- यह बस उनकी छटपटाहट है : दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, 'बात जेएनयू की नहीं है, कुछ लोग हैं जो इस प्रकार के देश विरोधी, धर्म विरोधी नारे लगाते हैं। ये अफजल गुरू के लिए भी नारे लगाते हैं, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ, आतंकियों के समर्थन में, नक्सलियों के समर्थन में नारे लगाते हैं लेकिन कुल मिलाकर इनके नारे बस नारे तक ही सीमित हैं। जहां नक्सलवादी होते थे वहां नक्सलवादी खत्म हो गए हैं, जहां आतंकवादी होते थे वहां आतंकवादी खत्म हो गए हैं और जिन लोगों ने दिल्ली के खिलाफ साजिश रची उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है, तो यह बस उनकी छटपटाहट है।'

यह निंदनीय है और देश के खिलाफ है: दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कल जेएनयू कैंपस में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ हुई कथित नारेबाजी पर कहा, 'उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होने के बाद जेएनयू में इस प्रकार के नारे लगना निंदनीय है। शरजील इमाम ने चिकन नेक काटकर पूर्वोत्तर भारत को अलग करने की बात कही थी। उमर खालिद ने 'भारत के टुकड़े-टुकड़े होंगे' के नारे लगाए थे और 2020 के दंगों में भी उसका हाथ पाया गया था। ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति इसलिए दिखाई जाती है क्योंकि इस विधानसभा में ऐसे लोग हैं जिन्होंने शरजील इमाम के साथ मंच साझा किया था। जब आप ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं, तो जेएनयू में ऐसे गैर-जिम्मेदार तत्व सिर उठाते हैं, जिसकी मैं निंदा करता हूं। जेएनयू में जो हुआ है, जहां शरजील इमाम और उमर खालिद का एक तरह से समर्थन किया गया है, यह निंदनीय है और देश के खिलाफ है।'

समाचार सार

जरिया गढ़ में कुमार स्व. विश्वनाथ शाहदेव की 43 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

खूंटी : जरिया गढ़ नागवंशी रियासत के स्टेट रहे जरिया गढ़ के ठाकुर स्व. महेंद्र नाथ शाहदेव के छोटे पुत्र कुमार स्व. विश्वनाथ शाहदेव की 43 वीं पुण्य स्मृति दिवस सोमवार को उनके पैतृक निवास स्थान जरिया गढ़ में भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ मनाई गई। उनका निधन 5 जनवरी 1983 को जरिया गढ़ में हुआ था। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

पुण्यतिथि के अवसर पर सनातनी विधि-विधान से मंत्रोच्चारण कर स्व. विश्वनाथ शाहदेव का स्मरण किया गया। पुरोहित अरुण शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर गांव के पंडित नटवर मिश्रा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश में पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद वर्ष उन्नीस सौ बावन से लेकर प्रत्येक पंचायत चुनाव में वे निर्विरोध सरपंच चुने जाते रहे और आजीवन अपने पंचायत के सरपंच रहे।

उन्होंने कहा कि स्व. विश्वनाथ शाहदेव सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सदैव सक्रिय रहते थे और क्षेत्र के विकास व जनसेवा के लिए समर्पित रहे। उनकी पुण्यतिथि पर ग्रामीणों के बीच फल एवं मिठाइयों का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में गांव के पंडित-पुरोहितों सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आसपास के सैकड़ों ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से अरुण शर्मा, पंचानंद दास, नटवर मिश्रा, उमेश पाढ़ी, राम लखन, डॉ. अजीत सिंह, मनोज सिंह, वीरेंद्र सिंह, बिंदेश्वर सिंह, विजय पाढ़ी, अनिल प्रसाद, बीरेंद्र साहु, ब्रजेश साहु, संजीत सिंह, भद्र साहु, नारायण पाइक, मधु कसेरा, अजय केसरी, जगर्नाथ साहु सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

नशा तस्करों के खिलाफ चतरा पुलिस की कार्रवाई

चतरा : पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चतरा सदर थाना क्षेत्र के तुडाग जंगल के पास से ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर पांच तस्करों को 31.19 ग्राम सुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सूचना मिली थी कि एक आई 20 कार लगा कर कुछ व्यक्ति ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर रहे है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन व सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार के नेतृत्व में छापमारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल ने तुडाग जंगल में चिन्हित स्थानों पर घेरा बन्दी कर छापामारी की। उन्होंने बताया कि छापामारी के क्रम में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते हुए 05 तस्कर को पकड़ा गया। तलाशी के क्रम में कार से 31.19 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर, आई0-20 कार रजि० नम्बर जेएच 02 बीएच-1938 एवं 05 मोबाईल को बरामद कर विधिवत जप्त किया गया है।इस संदर्भ में सदर थाना काण्ड सं-06/2026, दिनांक-04.01.2026, धाराः21 (बी) /22(बी)/25/27/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है। गिरफ्तार तस्करों में जिले के मयुरहण्ड थाना क्षेत्र के मघनिया गांव का रूपेश कुमार दोंगी (25 वर्ष),ढोढी गांव का नीरज कुमार यादव (19 वर्ष), प्रकाश कुमार दाँगी (27 वर्ष) और लक्ष्मण कुमार दॉगी (19 वर्ष) और सदर थाना क्षेत्र के लोवागडा गांव के राकेश कुमार दांगी का नाम शामिल है।

छापामारी दल मे एसडीपीओ संदीप सुमन,सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार,पुअनि राहुल सिंह,पुअनि टिपू अंसारी,पुअनि कुमार गौतम और सदर थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

गिद्धौर (चतरा) : अंचल प्रशासन ने सोमवार को अवैध बालू खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया है। यह कार्रवाई नियमित जांच के दौरान की गई। बताया गया कि ट्रैक्टर बिना वैध कागजात के बालू का परिवहन कर रहा था। अंचल अधिकारी अनंत शयनम विश्वकर्मा के निर्देश पर वाहन को जब्त कर अग्रेतर कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है। प्रशासन ने कहा कि अवैध खनन और परिवहन पर सख्ती जारी रहेगी। साथ ही चेतावनी दी गई कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार युवती को मारी टक्कर, एक घायल

खूंटी : मुरहू -तपकरा मुख्य पथ पर तपकरा थाना क्षेत्र के कुमांग गांव में सोमवार 5 जनवरी को दोपहर करीब 1 बजे एक तेज रफ्तार थार ने सामने से स्कूटी सवार युवती को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद थार अनियंत्रित होकर पास की चारदीवारी और गेट से जा टकराई, जिससे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

घटना में स्कूटी सवार मुरहू थाना क्षेत्र के बम्हनी गांव निवासी प्रियंका मुंडू घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एंबुलेंस द्वारा रेफरल अस्पताल तोरपा भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद थार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में स्कूटी और थार दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही तपकरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक प्रियंका मुंडू कुमांग से अपने घर बम्हनी जा रही थीं, तभी यह हादसा हुआ।

खूंटीः कर्रा रोड स्थित मुरही दुकान में लगी आग

50 हजार की संपत्ति जलकर खाक लोगों की सूझ बुझ से बड़ा हादसा टला

संवाददाता

खूंटी : सोमवार की देर रात करीब 10 बजे खूंटी शहर के व्यस्ततम मार्ग कर्रा रोड स्थित कर्रा रोड मोहल्ले में ठाकुरबाड़ी से पहले एक मुरही (चावल) की दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दुकान सुब्रमण्यम स्वामी की बताई जा रही है, जो किराए के मकान में अपनी दुकान संचालित करते हैं।

इस अग्निकांड में दुकान में रखा चावल और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जलकर बर्बाद हो गया। घटना में लगभग 50 हजार रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही दुकान मालिक ने तुरंत अग्निशमन विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी को फोन कर जानकारी दी। सूचना मिलते ही बिना समय गंवाए दमकल दस्ता घटनास्थल पर पहुंचा और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। इससे पहले आसपास के लोगों ने भी पानी की मदद से आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया था।

बताया जा रहा है कि आग तेजी से फैलने की स्थिति में थी, लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण दुकान में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि कर्रा रोड मोहल्ला अत्यंत घनी आबादी वाला और व्यस्त इलाका है। यदि दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंचती, तो आग आसपास की दुकानों और आवासीय घरों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर का 55 वां स्थापना दिवस मनाया गया

संवाददाता

चतरा : स्थानीय मुख्यालय क्षेत्र रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर चतरा 55 वाँ स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया । इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक मोहन खंडेलवाल, उपाध्यक्ष विजय कुमार खंडेलवाल, सचिव गोविन्द खंडेलवाल, सह सचिव दिनेश कुमार खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष राजेश खंडेलवाल, सह कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर खंडेलवाल तथा विद्यालय प्रबंधन के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुभारंभ स्वर्गीय रामेश्वर लाल खंडेलवाल एवं उनकी अर्धांगिनी स्वर्गीय दुर्गा देवी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत शॉल, पुष्प गुच्छ, पौधा एवं डायरी देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विद्यालय के आचार्य अजय कुमार मिस्त्री के द्वारा अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया गया । इसके बाद विद्यालय की आचार्या सुकृति कुमारी के द्वारा विद्यालय की उन्नति उत्थान और प्रगति का रूपरेखा एवं विगत वर्षों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद भैया बहनों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । जिसमें स्वागत गीत समृद्धि ग्रुप

के द्वारा प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात नर्सरी के भैया बहनों ने स्कूल चले हम पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति की । वही एलकेजी के भैया बहनों के द्वारा सुनो बच्चों उठाओ बस्ता पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात यूकेजी के भैया बहनों ने ₹ इतनी सी हंसी इतनी सी खुशी₹ पर गीत प्रस्तुत किया। कक्षा 1 के भैया बहन शिवांश ग्रुप के द्वारा प्लांट्स इस बोर्न राइम्स को सुरीली आवाज में प्रस्तुत किया गया । कक्षा 2 की बहन दीक्षा ग्रुप ने ₹हवा हवाई मिक्सर₹ गीत की प्रस्तुति दी। कक्षा 3 दर्पण ग्रुप के द्वारा टुकुर-टुकुर गीतकार मोहक नृत्य प्रस्तुत किया तत्पश्चात कक्षा 5 की बहन पायल ग्रुप ने नागपुरी संगीत पर धमाकेदार प्रस्तुति दी। वहीं पंचम की बहन शैली ग्रुप के द्वारा नारी शक्ति पर विचार व्यक्त किया गया। तत्पश्चात दीप्ति ग्रुप ने सत्यम शिवम सुंदरम के गीत पर अपनी प्रस्तुति दी । वहीं कक्षा प्रथम की बहन सृष्टि ग्रुप के द्वारा कश्मीर में तू कन्याकुमारी पर मोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया ।वहीं पलक ग्रुप के द्वारा बरसो रे मेघा मेघा गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत के दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। तत्पश्चात वर्षा ग्रुप के द्वारा टमटम साउथ नृत्य प्रस्तुत किया। गया इसके बाद निशा ग्रुप के द्वारा लाल छपा साड़ी नागपुरी संगीत पर मोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात श्री ग्रुप, सिमरन ग्रुप,अभिनव ग्रुप एवं राधिका ग्रुप ने मन मोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया । इसके साथ ही विद्यालय परिसर में भैया बहनों के द्वारा फूड स्टॉल जो सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहा एक अनोखा पहला था जिसमें भैया बहनों ने भारत के सभी राज्यों के स्वादिष्ट व्यंजन का रसास्वादन आए हुए अतिथियों एवं अभिभावकों को कराया। इसमें कुल 27 स्टॉल बनाए गए थे। जिसमें भैया बहनों के हाथों से छोटे-छोटे खेल प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी रखा गया था जिसका थीम था खेलो और जीतो जिसमें भैया बहनों के साथ अभिभावकों ने भी खेलों को खेल कर पुरस्कार ग्रहण किया। साथ ही इस कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था जो की विद्यालय के विज्ञान आचार्य सुनील कुमार के देखरेख में संपन्न हुआ जिसमें भैया बहनों के द्वारा उनके कला कौशल एवं योग्यता की प्रस्तुति उनके मॉडल में दिखाई पड़ा।इस विज्ञान प्रदर्शनी में कुल 27 मॉडल बनाए गए थे जिसमें सभी एक से बढ़कर एक थे।

भारतीय जनता मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी का जन्मदिन मना

बीजेएमएस के प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील कुमार सिंह ने डॉ अर्जुन चौधरी को दी जन्मदिन की बधाई

रांची : भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता मजदूर संघ के प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील कुमार सिंह ने उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। तथा कहा कि बाबा भोलेनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। ताकि आपके द्वारा शोषित वंचित मजदूर भाइयों के हक अधिकार दिलाने के लिए हो रहे संघर्ष के साथ समाज हित व राष्ट्रहित में जनकल्याणकारी कार्य निरंतर किए जाते रहे। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी जी ने भी सबों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए जाने के साथ इस स्नेह और प्यार पाने के लिए अपनी ओर से सबों को धन्यवाद ज्ञापित किया। तथा कहा कि आप सबका स्नेह और प्यार इसी तरह निरंतर हमें मिलता रहे, यही ईश्वर से कामना करता हूं।

ताकि शोषित वंचित संगठित एवं असंगठित मजदूर भाइयों के हकक्ष हुकूक के लिए तथा उनके वास्तविक अधिकार दिलाने के लिए सदैव संघर्ष करता रहूं।

बधाई देने वालों में बीजेमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव , उपाध्यक्ष प्रमोद पांडेय , राष्ट्रीय मंत्री अनिल सिंह, प्रदेश महासचिव अनिरुद्ध पांडेय , प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, प्रदेश मंत्री सुमन कुमार सिंह , महेश मिश्र, महिला प्रदेश अध्यक्ष रेणुका सिंह, सचिव सुनीता चौधरी, श्रीमती नीलम कुमारी, रांची जिला अध्यक्ष राणा सिंह, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, विक्रम सिंह, सचिव सुमित पाठक, महिला उपाध्यक्ष ममता चौहान, रेनू दुबे, चतरा जिला अध्यक्ष उज्जवल कुमार सिंह, महासचिव श्याम नंदन सिंह , पलामू जिला उपाध्यक्ष सचित कुमार सिंह, डॉ ब्रजेश शर्मा, डॉ शुभम कुमार, डॉ कुमार सौरभ सहित कई अन्य संघ पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण के साथ सगे संबंधी तथा मित्रगण शामिल रहे।

जमीनी विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, स्थिति नाजुक,रेफर

मामा और भांजा के बीच ही हुई खूनी संघर्ष,छानबीन में जुटी पुलिस

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेंजना गांव में मामा और भांजा के बीच जमीनी विवाद हो गया, मामला इतना बढ़ की मामा ने बेटे के साथ मिलकर अपने भांजा पर जानलेवा हमला कर दिया। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में युवक को इलाज के लिए हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की स्थिति नाजुक देखते हुए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया, चिकित्सकों के अनुसार युवक की स्थिति काफी चिंताजनक है। घायल युवक गेंजना गांव निवासी गणेश यादव के 40 वर्षीय पुत्र रोहित यादव है।

भांजा पर जानलेवा हमला : प्राप्त जानकारी के अनुसार गेंजना गांव निवासी रोहित यादव अपने जमीन पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण करवा रहा था। इसी दौरान आरोपी उसका मामा गेंजना निवासी अंतू यादव और उसके पुत्र विकास यादव पहुंचकर उसे काम करने के लिए मना कर दिया, और उसके नहीं मानने पर उसपर जानलेवा हमला कर दिया, पीड़ित को गंभीर हालत में परिजनों ने हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, वहीं सर से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया, चिकित्सकों के अनुसार युवक की स्थिति चिंताजनक है। मामा अंतू यादव को भी मामूली चोट पहुंची है।वहीं पूरे मामले में हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि अभी तक दोनों पक्षों के द्वारा थाने में लिखित आवेदन नहीं दी गई है। जमीनी विवाद में मारपीट की घटना की जानकारी है जिसमें एक युवक घायल है। फिलहाल हंटरगंज थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की प्रगति की हुई समीक्षा

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में पेयजल आपूर्ति एवं ग्रामीण स्वच्छता से संबंधित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करना रहा।बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू नल जल कनेक्शन की प्रगति को तेज करने, सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत नल जल कनेक्शन पूर्ण करने, जल कर संग्रहण को प्रभावी रूप से लागू करने तथा पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित जल जांच सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत लाभुकों को प्रेरित करते हुए स्वयं शौचालय निर्माण हेतु जागरूक करने एवं निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने सभी बिंदुओं पर क्रमवार जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं के लक्ष्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए तथा क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न हो।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चतरा मनोज मुंडारी सहित सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक एवं सभी प्रखंड वॉश समन्वयक उपस्थित रहे।

पूर्वी क्षेत्र अंतर विवि फुटबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता उद्घाटन मैच में बंगाल स्टेट विवि की धमाकेदार जीत

रांची : रांची विश्वविद्यालय की मेजबानी में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय फुटबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता 2025झ26 का उद्घाटन रंगारंग वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. के. सिंह ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रवेक्षक प्रो. विशाल बन्नो ने किया। फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले दिन मैदान पर खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबलों में कई रोमांचक परिणाम सामने आए, जिसमें पश्चिम बंगाल स्टेट विश्वविद्यालय ने सबसे प्रभावशाली खेल दिखाया। उद्घाटन मैच में पश्चिम बंगाल स्टेट विश्वविद्यालय ने तिलका मांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर को एकतरफा मुकाबले में 10-0 के भारी अंतर से पराजित कर टूर्नामेंट में अपने अभियान का जोरदार आगाज किया। अन्य मुकाबलों में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। साईंनाथ विश्वविद्यालय ने आलिया विश्वविद्यालय को 3-2 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की, जबकि बीएन मंडल विश्वविद्यालय ने बीआरए विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर पर 4-1 से विजय हासिल की। इसी प्रकार, मुर्शिदाबाद विश्वविद्यालय ने बिड़ला ग्लोबल विश्वविद्यालय को 4-0 से और उत्कल विश्वविद्यालय ने मैट्स विश्वविद्यालय को समान अंतर 4-0 से शिकस्त दी। राजेंद्र विश्वविद्यालय, बलांगीर और फकीर मोहन विश्वविद्यालय के बीच खेले गए मैच में फकीर मोहन विश्वविद्यालय 3-0 से विजयी रहा। दिन के एक अन्य मैच में बहरामपुर विश्वविद्यालय ने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा को 4-1 से हराया। वहीं, श्रीश्री विश्वविद्यालय और विधान कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा। निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। शूटआउट में श्रीश्री विश्वविद्यालय ने 5-4 से बाजी मारते हुए अगले दौर में प्रवेश किया। उद्घाटन समारोह एवं मैचों के दौरान डीएसडब्ल्यू प्रो. सुदेश कुमार सही, फाइनेंशियल एडवाइजर श्री अजय कुमार, कुलसचिव डॉ. गुरुचरण साहू, सीसीडीसी डॉ पीके झा, प्रॉक्टर प्रो. मुकुंद मेहता, कोऑर्डिनेटर (ऑडिट) श्री अजय प्रकाश, डॉ. अरुण सिंह, डॉ. स्मृति सिंह, कोऑर्डिनेटर स्पोर्ट्स एवं आयोजन सचिव डॉ. राजेश गुप्ता, संसू निहार, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. बीपी वर्मा, ब्रजेश कुमार, जयदीप आर., वीरेंद्र वर्मा, विजय वर्मा, धीरज महतो सहित अनेक गणमान्य अतिथि, अधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

जयपाल सिंह मुंडा की जन्म जयंती पर फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता

रांची : केन्द्रीय सरना समिति के द्वारा आयोजित 3 जनवरी से मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जन्म जयंती पर फुटबॉल प्रतियोगिता शुभारंभ हुआ। इस खेल का आयोजन डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान में हुआ। केन्द्रीय सरना समिति द्वारा आयोजित मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य सभा सांसद आदित्य साहू एवं पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी के द्वारा मैच का शुभारंभ की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरनाथ चौधरी, नान्हे कच्छप हाहप, प्रकाश लकड़ा अध्यक्ष आदिवासी बचाव संघर्ष समिति,चामू बैक झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष नामकुम, सुनील लकड़ा बैंक ऑफ इंडिया ऑल इंडिया महासचिव, चडरी पूजा समिति

अध्यक्ष सबलू मुंडा, पिंकू साहू, विजय शर्मा निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल प्रिंसिपल, गोविंद उरांव, मुन्ना लकड़ा, शैलेश सिंह, गुड्डू मुंडा अध्यक्ष एदलहातू सरना समिति,मोनू राज सचिव झारखंडी कलाकार क्षेत्रीय सोसाइटी, पूर्व पार्षद नकुल तिर्की, अमूल कच्छप समाजसेवी, प्रदीप कुजुर पूर्व मुखिया खिजरी,पर्रि कच्छप समाजसेवी, सतीश मिंज, रवि सागर, सुमित टोप्पो, परमेश्वर लकड़ा, सुनील मुंडा, प्रकाश मंडा, सूर्यकांत मुंडा, अमृत मुंडा छात्र नेता, विवेक तिर्की अध्यक्ष आदिवासी छात्र संघ, उत्तम मुंडा, सुनील महतो, आदि उपस्थित हुए। आज का पहला मैच अभिमन्यु मुंडा नामकुम फुटबॉल क्लब एवं आदिवासी छात्रावास के साथ मुकाबला हुआ। जिसमें विजेता अभिमन्यु मुंडा नामकुम फुटबॉल क्लबविजेता हुआ।दूसरा मैच मुंडा राजा के साथ पाहन ब्रदर्स के साथ हुआ। जिसमें विजेता मुंडा राजा विजेता हुआ। दोनों विजेता टीम के साथ मुकाबला हुआ जिसमें प्लेंटी में अभिमन्यु मुंडा नामकुम फुटबॉल क्लब ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंच।कल दिनांक 6/1/2026 को पहला मैच बांडा मुंडा फुटबॉल क्लब के साथ वीर कोचा फुटबॉल क्लब के बीच मुकाबला होगा। दूसरा मैच निर्मल ब्रदर्स एवं ए बी सी पी फुटबॉल क्लब के साथ मुकाबला होगा।आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान श्री जगलाल पहान,प्रधान महासचिव अशोक मुंडा महासचिव महादेव टोप्पो अमर टोप्पो शशि टोप्पो शंभू टोप्पो सागर राणा संदीप मंडल मुन्ना हेंब्रम रवि सागर पवन लोहार राजीव रंजन सुनील केरकेट्टा रमेश उरांव,शोभा कच्छप किरण तिर्की मुकेश मुंडा संतोष मुंडा आशीष मुंडा महादेव मुंडा आदि उपस्थित थे।

मनरेगा को पूर्व की भांति है चलाई जाए : मनोज कुमार पांडेय

संवाददाता

रांची : राजद प्रदेश महासचिव मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार धार्मिक एजेंडों के तहत देश की जनता को गुमराह करते हुए असली मुद्दे से भटकाना चाहती है। इसका झारखंड में राष्ट्रीय जनता दल सैद्धांतिक रूप से विरोध करती रहेगी। मनरेगा स्व रघुबंश बाबु महात्मा गांधी के विचारों को भारत के धरती पर देश की दुनिया दी ढाचा को मजबूत करने के लिए भारत में जातिपाति से उपर उठकर केंद्र् में मंत्री के हैसियत से लाई थी, जो आगे चलकर देश के मजदुरों के लिए काम की गारंटी साबित हुआ। भाजपा देश की जनता को धर्म के आड़ में देश को बाटना चाहती है। प्रदेश राजद इसका पुरजोर बिरोध करती है। केंद्र सरकार जी राम जी योजना का पैसा 25 परसेंट देंगी बाकी राज्य सरकार को इसका वहन करना पड़ेगा। जबकि मनरेगा में पहले 100 दिन की गारंटी पर केंद्र सरकार 100% पैसा देती थी। योजना राज्य सरकार के लिए धोखे में रखकर गरीब जनता को शोषण करने के जैसा योजना है राष्ट्रीय जनता दल केंद्र सरकार से मांग करती है कि स्व रघुवंश बाबू द्वारा लाय गए मनरेगा को पूर्व की भांति है चलाई जाए।

कुरमाली भाषा परिषद का प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल से मिला

रांची : कुरमाली भाषा परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजा राम महतो के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिलकर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी। साथ ही कुरमाली भाषा परिषद के तत्वावधान में 13 जनवरी को रांची के मोरहाबादी मैदान में टुसू पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित टुसू महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ राजा राम महतो ने राज्यपाल को बताया कि टुसू पर्व झारखंड के साथ ही पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा का प्रमुख त्योहार है। इस पर्व की पूर्व संध्या पर कुरमाली भाषा परिषद के तत्वावधान में प्रति वर्ष रांची के मोरहाबादी मैदान में टुसू महोत्सव का अयोजन किया जाता है। इस अवसर पर झारखंड के कोने कोने से लोग बाजा गाजा एवं बड़े बड़े आकर्षक चौड़ोलों के साथ मोरहाबादी मैदान पहुंचते हैं और टुसू की पूजा अर्चना के बाद चौड़ोलों के साथ टुसू गीतों पर नृत्य करते हैं। प्रतिनिधिमंडल में डॉ राजा राम महतो के अलावे अधिवक्ता एवं पत्रकार मृत्युंजय प्रसाद, समाजसेवी बनमाली महतो, भूदेव चन्द्र महतो, जयंती महतो एवं दिनेश चन्द्र महतो शमिल थे।

आजसू ने कुलाधिपति सह राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

रांची : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) का एक प्रतिनिधिमंडल ने कुलाधिपति राज्यपाल के नाम रांची विश्विद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में स्थाई कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति के संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आजसू ने निवेदन पूर्वक कहा कि रांची विश्विद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय में स्थाई कुलपति नहीं है जिसके कारण विश्वविद्यालय का काम पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है न तो समय पर क्लास हो रही है न ही समय पर परीक्षा न ही रिजल्ट प्रकाशित हो पा रही है। जिससे कि विश्विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । किसी भी तरह की तरह का फाइनेंशियल प्रक्रिया विश्विद्यालय के द्वारा डेवलपमेंट का नहीं लिया जा रहा है सीनेट और सिंडिकेट की बैठके समय पर नहीं हो पा रही है जिससे से विश्वविद्यालय के विकास कार्य पर रोक लगा हुआ है साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों की भी वेतन सही समय पर नहीं मिल पा रही है और भी अनेकों समस्या है जिसका निराकरण स्थाई कुलपति की नियुक्ति से ही संभव है। अतः महामहिम कुलाधिपति महोदय से आजसू छात्र हित में आग्रह करती कि राज्य के सभी विश्विद्यालयों में स्थाई कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति की जाए जिससे कि ये सभी समस्याओं से छात्र छात्राओं को निजात मिल सके। ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से राजेश सिंह,अमन साहू ,राज दुबे, मुकेश, निशांत, हिमांशु सिंह, अमित मिंज, प्रिंस लिंडा ,विवेक ,अमन ,रोहित आलोक , सुजल अनुज इत्यादि उपस्थित थे।

रांची के कमल कैटरर को मिला सर्वश्रेष्ठ कैटरर का सम्मान, शेफ संजीव कपूर ने किया सम्मानित

रांची : कैटरिंग व्यवसाय में उत्कृष्ट सेवा के लिए जाना-पहचाना नाम कमल कैटरर को वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ कैटरर सम्मान से नवाजा गया है। प्रतिष्ठान के संचालक कमल अग्रवाल को यह सम्मान देश के लोकप्रिय शेफ संजीव कपूर ने प्रदान किया।

कमल कैटरर के संस्थापक व संचालक कमल कुमार अग्रवाल को उनके पिछले 25 वर्षों से खाद्य एवं कैटरिंग व्यवसाय में निरंतर उत्कृष्ट सेवाओं, गुणवत्ता, अनुशासन और नवाचार के लिए सम्मानित किया गया।

झारखंड के अग्रणी कैटरर्स में से एक कमल कुमार अग्रवाल को झारखंड के प्रारंभिक और अग्रणी कैटरर्स में से एक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने सीमित संसाधनों के दौर में इस व्यवसाय की नींव रखी और निरंतर परिश्रम, अनुभव तथा दूरदर्शिता के बल पर कमल कैटरर को एक विश्वसनीय और प्रतिष्ठित नाम बनाया।झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष कमल कुमार अग्रवाल केवल एक सफल उद्यमी ही नहीं, बल्कि झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष भी हैं। उनके नेतृत्व में राज्य के कैटरिंग व्यवसाय को संगठित स्वरूप मिला है तथा गुणवत्ता, स्वच्छता और व्यावसायिक मानकों को नई दिशा प्राप्त हुई है। हर वर्ष नवाचार, हर आयोजन में विशिष्टता कमल कैटरर की पहचान केवल स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक वर्ष नए व्यंजन एवं प्रस्तुति की अवधारणा पारंपरिक एवं आधुनिक स्वाद का संतुलन, स्वच्छता, सजावट एवं सेवा की उच्च गुणवत्ता तथा ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार विशेष व्यवस्था इन्हें कैटरिंग जगत में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है।

पहले भी मिल चुके हैं कई सम्मान : कमल कुमार अग्रवाल एवं कमल कैटरर को पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हो चुका है

वर्ष 2022 में प्रसिद्ध शेफ रणवीर बरार द्वारा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खाद्य कैटरर का सम्मान वर्ष 2023 में मिलेट्स ऑफ इंडिया विषय के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा आकार एक्सीलेंस सम्मान इन सम्मानों की श्रृंखला में वर्ष 2025 का यह सम्मान कमल कैटरर की निरंतर प्रगति और उत्कृष्टता का प्रमाण है।

इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल भोजन परोसना नहीं, बल्कि हर आयोजन को एक यादगार अनुभव बनाना है।

झारखंड मुस्लिम युवा मंच का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

मॉब लिंचिंग और उर्दू भाषा की उपेक्षा पर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

रांची : झारखंड मुस्लिम युवा मंच के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी के नेतृत्व में राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में बढ़ती मॉब लिंचिंग की घटनाओं, पीड़ित परिवारों के पुनर्वास और शासकीय भवनों पर उर्दू भाषा की अनदेखी जैसे गंभीर विषयों पर एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा।

?प्रमुख मांगें और चर्चा के बिंदुः ?मॉब लिंचिंग के विरुद्ध कठोर कार्रवाईः प्रतिनिधिमंडल ने लातेहार, रामगढ़, गोड्डा और सरायकेला सहित विभिन्न जिलों में हुई मॉब लिंचिंग की घटनाओं का विवरण देते हुए दोषियों पर त्वरित और कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

?पीड़ित परिवारों का पुनवार्सः मंच ने मांग की कि लिंचिंग के शिकार परिवारों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, बच्चों को मुफ्त शिक्षा, सम्मानजनक मुआवजा और अंत्योदय कार्ड स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत तत्काल अच्छादित्य किया जाए जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

?उर्दू भाषा का सम्मानः प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया कि झारखंड की द्वितीय राजभाषा होने के बावजूद लोक भवन एवं राज्यपाल सचिवालय के मुख्य द्वार पर उर्दू को स्थान नहीं दिया गया है। उन्होंने मांग की कि भाषाई समानता के संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए सभी प्रमुख भवनों पर उर्दू भाषा को स्थान दिया जाए। महामहिम राज्यपाल का आश्वासनः ?मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि इन विषयों पर नियमानुसार उचित संज्ञान लिया जाएगा और राज्य में सामाजिक न्याय व संवैधानिक मूल्यों की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

?प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यः ?इस मुलाकात के दौरान मुख्य रूप से झारखंड मुस्लिम युवा मंच के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी, शहर काजी मसूद फरीद ,डॉ. दानिश इफ़्तेखार एहसान सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

लोगों के सुख-दुख में साथ खड़ी है झामुमो : विनोद पांडेय

रांची : पार्टी कार्यकताओं और आंदोलनकारियों के सुख- दुख में उनके साथ है। कार्यकताओं की समस्याओं का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है। सोमवार को ये बातें झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहीं। श्री पांडेय बुंडू से आए पार्टी कार्यकताओं और आंदोलनकारियों के साथ स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं, उन्होंने क्षेत्र में संगठन की मजबूती पर कार्यकताओं से चर्चा की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बुंडू से आए कार्यकताओं ने पार्टी के कैंप कार्यालय में अपनी समस्याओं से अवगत कराया। वहीं, आंदोलनकारियों और स्थानीय लोगों ने भी अपनी बातें उनके सामने रखीं। श्री पांडेय ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार तक उनकी बात पहुंचायी जायेगी और उनकी समस्याओं का समाधान होगा।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–अंश कुमार, उम्र–05 वर्ष, ऊँचाई–3 फीट, रंग–गोरा, पहनावा–पीला रंग का टी शर्ट एवं नीला रंग का हाफ पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता लड़का अंश कुमार, उम्र–05 वर्ष, पिता–सुनील कुमार, ग्राम–हल्दी छपरा, बादल टोला, थाना–मनेर, जिला–पटना (बिहार), वर्तमान पता–मौसीबाड़ी खटाल, जगरनाथपुर, थाना–धुर्वा, जिला–राँची जो दिनांक–02.01.2026 को अपने घर से किराना दूकान के लिए निकले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में धुर्वा थाना काण्ड संख्या–01/2026, दिनांक–03.01.2026, धारा–137(2) भा0न्या0सं0 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़का कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें। **Email ID(mc-dcb@jhpolice.gov.in)**

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। –9431706143
थाना प्रभारी, धुर्वा, राँची। –9431706166

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 370058 (Police) 25-26 (D)

योगा व स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

राउंडटेबल इंडिया ने रांची पुलिस को सौंपे एक सौ हेलमेट व पावर बैंक

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : सामाजिक सरोकारों से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय संस्था राउंडटेबल इंडिया के रांची सिटी चैप्टर रांची सामारिटन राउंड टेबल 244, ऐनकरेज राउंडटेबल 160, यूटोपियन राउंडटेबल 284 ने संयुक्त रूप से रांची ट्रैफिक पुलिस के जवानों के बीच एक सौ से अधिक हेलमेट वितरित किए। इस मौके पर ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह, उपाधीक्षक प्रमोद केशरी, डीएसपी-टू शिव प्रकाश जी, सर्जेन्ट मेजर ओपी दास, रीडर चंदन कुमार, विभाग के राकेश कुमार, अनिल टियू, संजय साहू, ललन कुमार, शंकर कुमार एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राउंडटेबल रांची के अध्यक्ष आकाश खोसला, लेडीज सर्कल चेयरपर्सन शिखा खोसला, मीडिया प्रभारी पौरुष जैन, पीयूष सरावगी, नीतीश जयसवाल, आदित्य अग्रवाल, आदित्य कटारुका, अंकित धनधारिया, पूनम आनंद, आयुष मोदी, हर्ष मोदी, वर्तिका राजगढ़िया, अर्पित जैन, विक्रांत छाबड़ा एवं अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से बाइक दस्ता के ट्रैफिक जवानों को बेहतरीन गुणवत्ता के एक सौ हेलमेट एवं लक्ष्यम की पूनम आनंद द्वारा एक सौ पावर बैंक प्रदान किए गए। वहीं, स्वास्थ के दृष्टिकोण से जवानों को बेसिक योगा ट्रेनिंग के नुस्खे सिखाए गए तथा योगा के बेहतर शारीरिक प्रभाव से अवगत कराया गया।

योगा व मेडिटेशन सेशन आयोजित

मौके पर पुलिस जवानों के लिए योग एवं मेडिटेशन सेशन का आयोजन एक्सपर्ट ट्रेनर शंकर राणा एवं अमित कुमार द्वारा किया गया जिससे कि जवानों को मानसिक तनाव कम करने में मदद मिल सके।

इससे पूर्व राउंड टेबल ने जवानों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन पुलिस लाइन रांची में आयोजित किया था, जिसमें जवानों ने अपने स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच निशुल्क करवायी।

विदित हो कि सामाजिक सरोकार से जुड़ी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था राउंड टेबल का मुख्य उद्देश्य फ्रीडम थ्रो एजुकेशन है जिसके अंतर्गत संस्था ने देश भर में दस हजार से अधिक क्लास रूम का निर्माण किया है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER MINOR IRRIGATION DIVISION, RAMGARH Annexure1

Short Term e-Procurement Notice

Tender Reference No. WRD/MID/RAMGARH F2 - 13/2025-26

(3rd Call) Date :-05/01/2026

1.	Name of the work	Renovation of Badki Bandh Ramuwa M I Scheme, Block- Bishnugarh, Dist- Hazaribagh
2.	Estimated Cost (Rs. In Lakhs)	Rs. 57.978 Lakhs
3.	Time of Completion	335 Days
4.	Date of Publication of E-Tender on website	08/01/2026 (2:00 PM)
5.	Last date/Time for submission of E-Tender Bids	15/01/2026 (up to 5:00 PM)
6.	Last Date/Time for Submission of Tender Fee and EMD	e-Procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) 15/01/2026 (up to 5:00 PM)
7.	Date of opening of e-tender	17/01/2026 (2:00 PM)
8.	Name & address of office in inviting tender	Executive Engineer Minor Irrigation Division, Ramgarh
9.	Contact number & Email ID of e-procurement officer	06553-231173/8292457160 eemidramgarh24408@gmail.com
10.	Helpline number of e-procurement cell	0651-2491232

Note :- (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may Increase or Decrease.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।

PR 370040 (Minor Irrigation) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सोमनाथः भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण

सोमनाथ ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है.."सौराष्ट्रे सोमनाथं च..." यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे। 1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया। महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है। ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे।" इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा। ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल' अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं।

(प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह आलेख फेसबुक पर साझा किया है।)

वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख

> ब्रेल ने इसी आइडिया के आधार पर अपनी लिपि पर कार्य शुरू किया और रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथ में अध्ययन के दौरान ही उन्होंने 1824 में अपनी लिपि को तैयार कर लिया, जो काफी सरल थी। इसी लिपि को ब्रेल लिपि के नाम से जाना गया और सरल लिपि की खोज के बाद दुनियाभर में नेत्रहीन या आंशिक रूप से नेत्रहीन लोगों की जिंदगी काफी हद तक आसान हो गई। अपने इसी आविष्कार के कारण लुई ब्रेल दुनियाभर में दृष्टिबाधित लोगों के लिए मसीहा बन गए।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा की गई इमिग्रेंट वेलफेयर रिसिपिएंट रेट्स की सूची ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख को उजागर कर दिया है। 120 देशों के नामों वाली इस सूची में भारत का नाम न होना बता रहा है कि दशकों की मेहनत, शिक्षा, अनुशासन और योगदान का ये सुखद परिणाम है। यह तथ्य आज हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है! यह दशार्ता है कि अमेरिका जैसे देश की अर्थव्यवस्था में भारतीय समुदाय बोझ नहीं है, वह यहाँ की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है। कहना होगा कि अमेरिका में भारतीय प्रवासियों की पहचान हमेशा मेहनती, शिक्षित और आत्मनिर्भर समुदाय के रूप में रही है। ट्रंप द्वारा जारी ये सूची भले ही राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, किंतु आज सभी के समक्ष एक अनकहा सत्य सामने रख देती है कि भारतीय समुदाय अमेरिका की सरकारी मदद पर निर्भर नहीं है। इसके उलट वे टैक्स देने वाले, नौकरियां पैदा करने वाले और नवाचार को आगे बढ़ाने वाले नागरिक हैं। जब पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और चीन जैसे देशों से आए प्रवासियों का बड़ा हिस्सा अमेरिकी वेलफेयर सिस्टम पर निर्भर दिखता है, तब भारत का इस सूची से बाहर होना भारतीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पेशेवर क्षमता का प्रमाण बन सामने आता है। प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े जो इस संदर्भ में सभी के सामने आए हैं, ये बताते हैं कि भारतीय-अमेरिकियों की औसत वार्षिक घरेलू आय लगभग 1,51,200 डॉलर है, जोकि अमेरिका के किसी भी अन्य जातीय या प्रवासी समूह से अधिक है। यह आंकड़ा उस मानसिकता को दशार्ता है जो शिक्षा, कौशल और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देती है। भारतीय परिवारों में शिक्षा को सबसे बड़ा निवेश माना जाता है। यही कारण है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका में डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, टेक लीडर और बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ के रूप में नजर आते हैं। भारतीय समुदाय की यह आर्थिक सफलता अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालती है। उच्च आय का मतलब है अधिक टैक्स योगदान, अधिक उपभोग और अधिक निवेश। सिलिकॉन वैली से लेकर वॉल स्ट्रीट तक भारतीय पेशेवरों ने टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, फाइनेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों, चाहे वे टेक सेक्टर की हों या कंज्यूमर इंडस्ट्री, उनके शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग बैठे हैं। ये लोग यहाँ कंपनियों को मुनाफा दिलाते हैं, लाखों अमेरिकियों के लिए रोजगार भी पैदा करते हैं। इसके विपरीत, ट्रंप की सूची में शामिल देशों के आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। बांग्लादेश के करीब 54.8 प्रतिशत प्रवासी परिवारों का अमेरिकी वेलफेयर पर निर्भर होना, पाकिस्तान के 40.2 प्रतिशत और नेपाल के 34.8 प्रतिशत परिवारों का सरकारी सहायता लेना, चीन (32.9 प्रतिशत), इजरायल/फिलिस्तीन (25.9 प्रतिशत), यूक्रेन (42.7 प्रतिशत) और एशिया (कहीं और वर्गीकृत या निर्दिष्ट नहीं) के 38.8 प्रतिशत प्रवासियों को आज अमेरिकी सहायता मिल रही है। वस्?तुतः यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर इन समुदायों पर अमेरिकी खजाने का दबाव आखिर अधिक क्यों है! इस अंतर का कारण जो सीधे तौर पर समझ आता है वो भारतीयों का वर्क कल्चर और सामाजिक मूल्य हैं। भारतीय प्रवासी आमतौर पर अमेरिका में पढ़ाई या उच्च कौशल वाली नौकरियों के जरिए प्रवेश करते हैं। वे शॉर्टकट या सिस्टम के दुरुपयोग के बजाय लंबी मेहनत में विश्वास रखते हैं। परिवार केंद्रित सोच, बचत की आदत और शिक्षा पर जोर उन्हें जल्दी आत्मनिर्भर बना देता है। यही वजह है कि भारतीय समुदाय में सरकारी सहायता लेने की जरूरत न्यूनतम रहती है। यहां ६?यात०?य यह भी है कि डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से अवैध इमिग्रेशन और वेलफेयर सिस्टम के दुरुपयोग के खिलाफ बयान देते रहे हैं। ऐसे में भारत का नाम इस सूची में न होना एक तरह से यह संदेश देता है कि अगर कोई प्रवासी समुदाय अमेरिकी समाज में घुल-मिलकर योगदान दे रहा है तो वह भारतीय है। भले ही ट्रंप ने सीधे तौर पर भारतीयों की तारीफ न की हो किंतु आंकड़े खुद बोलते हैं। यह एक अनजानी प्रशंसा है जो खुलकर बता रही है कि अमेरिका में भारतीय ह्ललेने वालेह्व नहीं, बल्कि ह्लदेने वालेह्व समुदाय के रूप में स्थापित हैं। आज भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका की कुल एशियाई आबादी का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा है और दूसरा सबसे बड़ा एशियाई समूह है। संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता में भी यह समुदाय आगे है। रिसर्च, इनोवेशन, मेडिकल एडवांसमेंट और टेक्नोलॉजिकल ग्रोथ में भारतीयों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट के दौरान भी भारतीय मूल के डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और हेल्थकेयर वर्कर्स ने फ्रंटलाइन पर रहकर अमेरिका को संभाला है। वस्तुतः भारत का नाम ट्रंप की ह्यवेलफेयर लिस्टह्ण में न होना आज ये बता रहा है कि यहाँ भारतीय उस सॉफ्ट पावर का संकेत हैं जोकि सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि इस देश के लिए भी मूल्य जोड़ते हैं। इसलिए ही आज अमेरिका की अर्थव्यवस्था जिन मजबूत स्तंभों पर टिकी है, उनमें भारतीय समुदाय एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। टैक्सपेयर्स, इनोवेटर्स, लीडर्स और प्रोफेशनल्स के रूप में भारतीयों ने यह साबित कर दिया है कि वे बोझ नहीं अमेरिकन अर्थ०?यवस्?था की रीढ़ हैं। ट्रंप की सूची ने भले ही राजनीतिक बहस को जन्म दिया हो, पर भारतीयों के लिए यह एक शांत, लेकिन मजबूत प्रमाण है, इस बात का कि मेहनत, शिक्षा और ईमानदारी से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भी अपनी सफलतम जगह बनाई जा सकती है।

पेट्रो डॉलर के लिए ट्रंप की एक और सनकभरी कार्रवाई

> वैसे पहले अर्थ की व्याप्ति और अधिक है। यह किसी समस्या का समाधान कर लेने में व्यक्त किया जाता है। बहरहाल, दोनों ही अर्थ एक ही तरह के संकेत करते हैं। वैसे, प्रारम्भिक तौर पर तो यही लगता है कि यह अभी शुरूआत है, समाधान नहीं। अमेरिका का यह कदम न सिर्फ वेनेजुएला के लिए, बल्कि शांति और लोकतंत्र के समर्थक देशों के खिलाफ जाने वाला है।

डॉ. प्रभात ओझा

वेनेजुएला पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई को ह्यऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्वह्ण नाम दिया गया। हिन्दी में जो अर्थ निकलते हैं, उनमें किसी समस्या का पूर्ण रूप से समाधान निकलना अथवा ह्यपूर्ण संकल्पह्ण भी शामिल हैं। यहां आमतौर पर दूसरा अर्थ लिया गया है। कहा जा रहा है कि अमेरिका ने जो तय किया था, उसने कर दिखाया। वैसे पहले अर्थ की व्याप्ति और अधिक है। यह किसी समस्या का समाधान कर लेने में व्यक्त किया जाता है। बहरहाल, दोनों ही अर्थ एक ही तरह के संकेत करते हैं। वैसे, प्रारम्भिक तौर पर तो यही लगता है कि यह अभी शुरूआत है, समाधान नहीं।

अमेरिका का यह कदम न सिर्फ वेनेजुएला के लिए, बल्कि शांति और लोकतंत्र के समर्थक देशों के खिलाफ जाने वाला है। ऐसा मानने के आधार भी हैं। सिर्फ इसलिए नहीं कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में इसे किसी देश की संप्रभुता पर हमले की तरह देखा गया है, बल्कि इसलिए भी कि स्वयं अमेरिका के अंदर भी इस पर विरोध के स्वर उभरे हैं। रॉबर्ट प्रीवोस्ट पीटर के पूर्व नाम वाले पोप लियो 14वें इस आसन पर आने वाले पहले अमेरिकी मूल के संत हैं। उन्होंने भी वेनेजुएला की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इस देश की संप्रभुता सुनिश्चित किए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि संविधान, कानून, मानव और नागरिक कानूनों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ा जाना चाहिए। इसी तरह की प्रतिक्रिया कई देशों ने भी दी है। हालांकि, भले यह सामान्य सा बयान लगता है, बहुत दूर तक जा सकता है। अमेरिका के अंदर ही न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान मामदानी की प्रतिक्रिया काबिल-ए-गौर है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क लाने की जानकारी देते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी ह्यकिसी संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला है। यह युद्ध का कृत्य है और संघीय तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर देश-विदेश की किसी प्रतिक्रिया का असर नहीं हो रहा है। अमेरिकी संविधान और परंपरा से मिले असीमित अधिकारों के तहत उन्होंने यह कार्रवाई की है। भविष्य तय करेगा कि अमरीकी संसद इस पर मुहर लगाती है अथवा नहीं। अभी एक बात साफ है कि अमेरिका के इस एक्शन से क्षेत्रीय असंतुलन को न सिर्फ बढ़ावा मिलेगा, वरन प्रतिगामी शक्तियों को एक और केंद्र मिल जाएगा। अनुभव यही बताते हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि इसमें राष्ट्रपति ट्रंप के अपने व्यक्तिगत हित भी हैं। दुनिया जानती है कि वे राजनेता से पहले व्यवसायी भी हैं। ट्रंप के पीछे हथियार बनाने वाली कंपनियां मुस्तैदी के साथ खड़ी हैं। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने इन कंपनियों को दुनिया भर में व्यवसाय करने में मदद ही की है। अशांत वेनेजुएला भी इसमें शामिल हो जाएगा।

व्यक्ति से अलग ट्रंप को राष्ट्रपति के तौर पर भी देखने से भी नहीं लगता कि अमेरिका को अथवा शेष विश्व को इस कार्रवाई से कोई फायदा मिलने वाला है। अनुभव यही हैं कि अफगानिस्तान से अमेरिका को वापस लौटना पड़ा। हजारों अमेरिका सैनिक मारे गये, करीब दो ट्रिलियन डॉलर स्वाह हो गये और परिणाम के तौर पर जिन तालीबानी को नष्ट करने के नाम पर अमेरिका घुसा था, वहां वे ही तालिबानी सत्ता में वापस आ गए। कथित रूप से अफगानिस्तान में लोकतंत्र मजबूत करने का दावा धूल-धूसरित हो गया। इराक में भी सद्दाम हुसैन को अपदस्थ करने और फांसी देने के बावजूद देश शांति के रास्ते पर नहीं आ सका। वहां से करीब 30 लाख लोग विस्थापित हुए और इराक पर आतंकवादी संगठनों का कब्जा हो गया। लीबिया में कर्नल गद्दाफी के साथ यही हुआ। उन्होंने अमेरिका अर्थव्यवस्था के साथ चलने से इनकार कर दिया था। उनकी हत्या कर दी गई। सीरिया में भी आतंकवादियों के सफाये के नाम पर अमेरिका की कार्रवाई की किरकिरी हुई। वहां जो अहमद अल शारा राष्ट्रपति बने, उन पर खुद अमेरिका ने इनाम घोषित किया था। अभी दो महीने पहले जब शारा अमेरिका यात्रा पर पहुंचे, उसके ठीक पहले अमेरिका प्रशासन ने उनका नाम आतंकवादियों की सूची से बाहर निकाला।

गाजा का उदाहरण भी सामने है, जहां कई लाख लोग मारे गए और 21 लाख लोग बेघर बना दिये गए। और उधर, अमेरिका राष्ट्रपति इजराइल में नेतन्याहू के साथ दावत कर रहे थे। इन सभी उदाहरण में गौर से देखें, तो अमेरिका में इन देशों पर कार्रवाई के समय जो भी सत्तारूढ़ हो, कारण सिर्फ एक है। ये सभी तेल उत्पादक देश हैं अथवा किसी ना किसी रूप में उनसे जुड़े हैं और उन्होंने डॉलर की जगह दूसरी मुद्रा में व्यापार करना शुरू किया था। अमेरिका के हक में जिस पेट्रो डॉलर अर्थव्यवस्था की बात की जाती है, वह इससे प्रभावित हुई। इससे वह बौखला उठा।करीब 303 अरब बैरल प्रमाणित तेल भंडार वाला वेनेजुएला उसे चीनी युआन में बेच रहा था, अमेरिका डॉलर में नहीं। वर्ष 2018 से उसने युआन के साथ यूरो और रूबल में तेल का भुगतान लेना शुरू कर दिया। उधर, 1974 में ही अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति हेनरी किसिंजर ने सऊदी अरब के साथ समझौता किया कि दुनिया भर में बिकने वाले तेल की कीमत अमेरिकी डॉलर में तय किया जाएगा। इस एक समझौते से दुनिया भर में डॉलर की मांग बढ़ गई। उसी के बाद 2000 में सद्दाम हुसैन के तेल को डॉलर की बजाय यूरो में बेचना अमरीका को नागवार गुजरा। 2003 में वहां आक्रमण हुआ। शासन बदला और फिर इराक का तेल डॉलर में बेचा जाने लगा। 2009 में लीबिया वाले गद्दाफी ने सोना आधारित अफ्रीकी मुद्रा गोल्ड दीनार का प्रस्ताव रखा। हिलेरी क्लिंटन के लीक ई-मेल से स्पष्ट हुआ कि लीबिया में दखलंदाजी का कारण भी यही बना था। 2011 में लीबिया पर बमबारी और गद्दाफी की हत्या हुई। वहां अब बाजार पर कोई रोक नहीं है। गोल्ड दीनार का भी कोई नामलेवा नहीं है। अब वेनेजुएला के मादुरो भी यही कर रहे थे। वे ब्रिक्स में भी शामिल होना चाहते थे। स्पष्ट है कि पेट्रो डॉलर को चुनौती देने वाला किसी न किसी तरह से हटा दिया जाता है।सच यह है कि वेनेजुएला भी इसी पेट्रो डॉलर आधारित व्यवसाय से अलग चलने लगा था। मादुरो के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति शावेज के समय पृष्ठभूमि तब बनी, जब उन्होंने अपने यहां तेल उत्पादक कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इससे अमेरिका हित प्रभावित होना शुरू हो गया। मादुरो ने अगले कदम भी उठाए। इस पर उन्हें ड्रग माफियाओं का लीडर बताकर घेरना शुरू हुआ। अमेरिका ड्रग खपत वाला बड़ा केंद्र है। वहां की कंपनियां बाहर से कच्चा माल लाती हैं। अमेरिका के लिए वेनेजुएला से तेल लेना सहज नहीं रहा। उधर अफीम, कोकीन और हेरोइन जैसे मादक पदार्थ अमेरिका लाने वाली कंपनियां भी बेहाल थीं। वैसे वेनेजुएला पर ड्रग माफिया होने के आरोप इस तरह भी कमतर से लगते हैं कि वहां से इन पदार्थों का अमेरिका को सप्लाई उसकी जरूरत का सिर्फ ए फीसद आंका गया है। प्रश्न बना रहेगा कि वेनेजुएला के खिलाफ नार्को टेररिज्म के प्रमाण थे तो अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में क्यों नहीं रखा। वह खुद ही जज क्यों बन जाता है। बहरहाल, अमेरिका पूरी तरह से वेनेजुएला का शासन अपने हाथों में लेने जा रहा है। सबसे पहले नजर तेल पर है। आगे की राह उसके पिछले अनुभवों जैसी ही हो, तो कुछ अलग नहीं होगा। तब तक एक और देश बहुत तबाह हो चुका होगा।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

शारीरिक नश्वरता से अनुभव कराने वाला एक तीर्थ

पुराणों के अनुसार नीलांचल पर्वत की चोटी पर स्थित कामाख्या मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि यहां सती का योनि भाग गिरा था। इसी कारण यहां किसी मूर्ति की पूजा नहीं होती, बल्कि एक प्राकृतिक शिला की पूजा की जाती है, जो योनि का प्रतीक है। यही वह बिंदु है, जहां कामाख्या भारतीय धार्मिक परंपरा को एक साहसी दिशा देती है। गुवाहटी शहर की हलचल पीछे छूटती जाती है, जैसे-जैसे सड़क नीलांचल पहाड़ी की चढ़ाई चढ़ती जाती है। ज्यों-ज्यों हम धरती से 100 फीट ऊपर पहुंचते हैं, हवा में कुछ बदलने सा लगता है। न अगरबत्तियों की सुगंध, न घंटियों की आवाज, बल्कि एक गहरी, कच्ची धरती से उठती ऊर्जा आपको अपने आगोश में लेती महसूस होती है।

पुराणों के अनुसार नीलांचल पर्वत की चोटी पर स्थित कामाख्या मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि यहां सती का योनि भाग गिरा था। इसी कारण यहां किसी मूर्ति की पूजा नहीं होती, बल्कि एक प्राकृतिक शिला की पूजा की जाती है, जो योनि का प्रतीक है। यही वह बिंदु है, जहां कामाख्या भारतीय धार्मिक परंपरा को एक साहसी दिशा देती है।
गुवाहटी शहर की हलचल पीछे छूटती जाती है, जैसे-जैसे सड़क नीलांचल पहाड़ी की चढ़ाई चढ़ती जाती है। ज्यों-ज्यों हम धरती से 100 फीट ऊपर पहुंचते हैं, हवा में कुछ बदलने सा लगता है। न अगरबत्तियों की सुगंध, न घंटियों की आवाज, बल्कि एक गहरी, कच्ची धरती से उठती ऊर्जा आपको अपने आगोश में लेती महसूस होती है।

मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही शिखरों की लाल-पीली आभा और तांत्रिक चिन्हों की उपस्थिति यह साफ कर देती है कि यह स्थान मुख्यधारा के सभ्य धार्मिक सौंदर्यशास्त्र से अलग है। यहां शालीनता नहीं, सत्य प्रधान है। मंदिर की मूल तांत्रिक चेतना हर काल में अक्षुण्ण रही। माना जाता है कि शायद इसीलिए इस मंदिर को कभी भी पूर्णतः नष्ट करना किसी आक्रांता के लिए संभव नहीं हुआ। मंदिर किसी मूर्ति तक सीमित नहीं था कामाख्या मंदिर की सबसे अनूठी और चर्चित परंपरा अंबुबाची मेला है। हर साल आषाढ़ महीने में तीन दिन तक मंदिर बंद रहता है। मान्यता है कि इन दिनों देवी रजस्वला होती हैं। चौथे दिन मंदिर खुलता है और मंदिर के खुलने पर सृष्टि के पुनर्जागरण का उत्सव मनाया जाता है। यह परंपरा आधुनिक मन को असहज कर सकती है। जहां अधिकांश संस्कृतियां मासिक धर्म को अपवित्र मानती हैं, वहीं यहां इसे दैवीय कहा गया है। यह मंदिर स्त्री देह को छिपाता नहीं, उसका उत्सव और उल्लास मनाता है। कामाख्या मंदिर को लेकर सबसे बड़ा भ्रम तंत्र शब्द से जुड़ा है। कुछ लोगों का मानना है कि तंत्र का अर्थ जादू-टोना, अंधकार-भय और रहस्य का संगम है, जबकि कामाख्या का तंत्र मूलतः अनुशासन का मंत्र है। यह शरीर, मन और ऊर्जा का उच्चतम विज्ञान है। अंबुबाची मेला के समय यहां देश-विदेश से हजारों तंत्र साधक आते हैं। इनमें नागा, अघोरी, गृहस्थ, संस्कृत विद्वान और लैटिन अमेरिका के अनेक सिद्धहस्त काले जादू के जानकार भी आते हैं। ये सभी किसी प्रदर्शन के लिए नहीं आते, बल्कि यहां तीन दिनों की अद्भुत एकांतिक साधना के लिए आते हैं। मान्यता है कि इन दिनों इस पूरी पहाड़ी में एक दिव्य चुंबकीय ऊर्जा का प्रवाह रहता है, जो तंत्र साधकों को शक्तिमान बनाता है। हर तरफ जप, मौन और प्रतीक्षा की परंपरा का निर्वाह देखा जाता है। यह दृश्य अपने आप में आधुनिक आध्यात्म की सतही प्रवृत्तियों पर विराट सवाल खड़ा करता है। कामाख्या मंदिर का गर्भगृह भूमिगत है। सीढ़ियां उतरते ही रोशनी कम होती जाती है और धीरे-धीरे नमी बढ़ती जाती है। भीतर एक प्राकृतिक शिला है, जिस पर निरंतर रक्तिम जल टपकता रहता है। इसे देवी मां का स्राव माना जाता है। जहां दर्शन किसी मूर्ति के सामने खड़े होकर नहीं होते, यह अनुभव देह के बहुत निकट होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को दिखाई गई हरी झंडी

सिख से सुरक्षा तकनीक से परिवर्तन थीम पर सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने समाहरणालय साहिबगंज परिसर से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त साहिबगंज श्री हेमंत सती, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री मिथिलेश कुमार चौधरी जिला आपूर्ति पदा धिकारी झुनू मिश्रा एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री छोटेश्वर दास ने संयुक्त रूप से जागरूकता रथ को रवाना किया।जिला

परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि एक जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले भर में व्यापक स्तर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति प्रेरित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाना, दुर्घटनाओं से प्रभावित पीड़ित परिवारों को सहायता के प्रति जागरूक करना और आमजनों को यातायात नियमों के महत्व को समझाना है।जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल आंकड़ों को कम करने तक सीमित नहीं है बल्कि लोगों में जीवन के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश देता है। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करेगा, जहाँ ऑडियो-विजुअल संदेशों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।इस अवसर पर एम.भी.आई. अभिषेक मुंडा, डी.आर.एम. मनोज कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित समाहरणालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

सीएससी संचालक पर दस्तावेजों में कथित फर्जीवाड़े का लगा आरोप

संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड अंतर्गत कटहलबाड़ी बाजार में संचालित एक सीएससी सेंटर पर आमजन के दस्तावेजों में कथित फजीर्वाड़ा कर आर्थिक शोषण करने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले को लेकर दक्षिण सरफराज गंज पंचायत के झामुमो पंचायत अध्यक्ष वहीदुल इस्लाम के अगुवाई में कई ग्रामीणों ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी उधवा जयंत कुमार तिवारी को लिखित आवेदन देकर संबंधित संचालक के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में मो० वहीदुल इस्लाम जहांगीर अली,मेराज शेख,इम्तियाज आलम, मो शहादत हुसैन आदि ने आरोप लगाया है कि कटहलबाड़ी बाजार मुख्य चौक पर भास्कर टेलीकॉम सर्विस के नाम से संचालित दुकान के संचालक भास्कर कुमार मंडल द्वारा वर्षों से आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र,

निवास प्रमाण पत्र, पैन कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बनाए जा रहे हैं, जिनमें जानबूझकर नाम, उपनाम, जन्म तिथि, अभिभावक का नाम व पता गलत दर्ज किया जाता है। ग्रामीणों का कहना हैकि दस्तावेज बनवाने के दौरान जन्म प्रमाण पत्र स्कूल सर्टिफिकेट जैसे वैध कागजात देने के बावजूद भी गलत विवरण दर्ज कर दिया जाता है। बाद में इन्हीं त्रुटियों को सुधारने के नाम पर गरीब एवं असहाय लोगों से बार-बार रुपये वसूले जाते हैं। जिससे क्षेत्रीय जनसाधारण को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ितों ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में बाधा उत्पन्न हो रही है। जो आम लोग मानसिक और आर्थिक रूप से शोषित हो रहे हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों ने संबंधित संचालक पर रोक लगाने और उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में आवेदन की प्रतिलिपि अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल, राधानगर थाना प्रभारी एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को भी प्रेषित की गई है। इस संबंध में संचालक से संपर्क नहीं होने पर उनका पक्ष प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

युवती के अपहरण मामले में प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीधर गांव से एक युवती के लापता होने के मामले में पुलिस ने रविवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस मामले में अपहृता की मां ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी पुत्री के अपहरण का आरोप लगाया था। पीड़िता की मां ने अपने आवेदन में बताया था कि उनकी पुत्री की शादी पश्चिम बंगाल के मालदा जिला में तय की गई थी। इसी बीच नेपाल घोष उर्फ स्वरूप घोष द्वारा फोन कर धमकी दी गई थी कि उनकी बेटी की शादी किसी अन्य युवक से क्यों कराई जा रही है। इस धमकी के बाद से ही पूरा परिवार आशंकित था और किसी अनहोनी की आशंका जताई जा रही थी। वही 19 दिसंबर को करीब 11 बजे दिन में युवती घर से श्रीधर बाजार जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं मिल सका। खोजबीन के दौरान परिजनों को जानकारी मिली थी कि मालदा जिला अंतर्गत मंगलबाड़ी(शारदा क्लोनी) निवासी नेपाल घोष उर्फ स्वरूप घोष एवं कार्तिक चौधरी ने मिलकर युवती को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया है। पीड़िता की मां ने पुलिस से अपनी पुत्री की सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगाई थी। इधर, पुलिस ने कांड संख्या 03/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए छानबीन की जा रही है।

दस्तावेज पूर्ण करते हुए अगले बैठक में रखें : हेमंत सती

संवाददाजा

साहिबगंज : कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति एवं अनुकंपा समिति की बैठक की गई। जिला अनुकम्पा समिति की बैठक में अनुकंपा समिति के सदस्यों के समक्ष विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 18 मामलों को रखा गया।बैठक में उपायुक्त ने प्राप्त सभी आवेदनों को एक-एक कर आवश्यक दस्तावेजों का जांच किया। दस्तावेजों में शामिल आयु प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र समेत अन्य जरूरी कागजातों की गहन जांच कर पर्याप्त कागजातों वाले आवेदक जिनका दस्तावेज सही पाया गया है।साथ ही शेष आवेदक जिनके दस्तावेज में कमी पाई गई है उसको पूर्ण करते हुए अगले बैठक में रखने का निर्देश दिया। स्थापना की बैठक में जिले के विभिन्न कार्यालयों में लंबे समय से कार्यरत लिपिक संवर्ग के कर्मियों और सेवा संतुष्टि के मामले विभागीय कार्रवाई के सात मामले स्थानांतरण के मामले को रखा गया।मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का व अन्य उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के बीच स्वेटर वितरित

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड अंतर्गत पूर्वी उधवा दियारा पंचायत के जोहाक हाजी टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सोमवार को ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए दर्जनों बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया। जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 20352080502 में केंद्र की सेविका फि रदोसी खातून एवं सहायिका नबीरा खातून द्वारा संयुक्त रूप से पोषक क्षेत्र के करीब 40 बच्चों के बीच स्वेटर वितरित किए। इस दौरान सेविका फि रदोसी खातून ने बच्चों से कहा कि सभी बच्चे नियमित रूप से स्वेटर पहनकर आंगनबाड़ी केंद्र आएं, ताकि ठंड से बचाव के साथ-साथ पढ़ाई भी निरंतर जारी रह सके। उन्होंने बच्चों को ठंड के मौसम में स्वास्थ्य रहने को लेकर कई उपयोगी सुझाव भी दिए और साफ-सफाई व गर्म कपड़ों के नियमित उपयोग पर विशेष जोर दिया। सेविका ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए स्वेटर सहित गर्म कपड़े पहनाकर ही केंद्र भेजें। वहीं, स्वेटर पाकर सभी बच्चे काफी खुश नजर आए और उन्होंने नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र आने का भरोसा जताया। मौके पर मनावर शेख आदि उपस्थित थे।

सभी थाना प्रभारी अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस रखें : एसडीपीओ

संवाददाता

साहिबगंज: अनुमंडलीय कार्यालय भवन स्थित एसडीपीओ कार्यालय में सोमवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्टी हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की।उन्होंने उपस्थित सभी थाना प्रभारी को ठंड के मौसम में अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस रखने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें।उन्होंने ठंड को देखते हुए पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को गर्म कपड़े पहनने की ताकीद की।साथ ही पिकनिक स्पॉटों पर

नजर रखने,नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने,रात्रि गश्ती करने,संदिग्ध लोगों की जांच करने,चौक-चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करने,हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने,लंबित कांडों को जल्द से जल्द निष्पादन करने,लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने,सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने,अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने,लोगों से बेहतर तालमेल बनाने,थानों में लोगों की समस्या सुनने,सूचना तंत्र को मजबूत बनानेजमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।मौके पर नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता,मुफस्सिल थाना पर प्रभारी अनीश पांडेय,मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार,बोरियो थाना प्रभारी ललित कुमार,एससी-एसटी थाना प्रभारी सन्नी बाड़ा,अजीत लाकड़ा व अन्य थे।इधर सर्किल इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने भी अपने कार्यालय में मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी की।इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

16 जनवरी से साहिबगंज और पाकुड़ से रेलवे से होने वाले पत्थर ढुलाई ठप रहेगी : पंकज मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज: साहिबगंज व पाकुड़ में रेल विकास की मांग को लेकर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा अपनी मांग पर अड़े है।उन्होंने आगामी 16 जनवरी से साहिबगंज और पाकुड़ से रेलवे से होने वाले पत्थर ढुलाई को पूरी तरह से ठप करने का ऐलान किया है।उन्होंने कहा कि रेल विकास जनता की मांग है, वे जनता के साथ है और पत्थर व्यवसायी उनके साथ हैं।जब तक रेल विकास को लेकर जनता की मांगे पूरी नहीं होती तब तक शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा।इसी को लेकर पंकज मिश्रा ने सोमवार को पाकुड़

जिले के पत्थर व्यवसायियों के साथ बैठक की।बैठक में पत्थर व्यवसायियों ने भी रेल विकास से जुड़े मुद्दे को लेकर आंदोलन का समर्थन करने का आश्वासन दिया।पाकुड़ के पत्थर व्यवसायियों ने कहा वर्षों बाद इलाके को एक ऐसा नेता मिला है जो निजी स्वार्थ और दलगत भावना से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे पर लोगों की आवाज बनकर खड़ा है।ज्ञात हो कि साहिबगंज व पाकुड़ में रेल विकास के मुद्दे को लेकर बीते 23 दिसंबर को भी झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने साहिबगंज के पत्थर व्यवसायियों के साथ बैठक की थी।जिसमें पत्थर व्यवसायियों ने रेल विकास के मुद्दे पर पंकज मिश्रा के आंदोलन को अपना समर्थन देने की बात कही थी।झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने पहले ही साफ कर दिया है कि रेल विकास का यह आंदोलन व्यक्तिगत या पार्टी विशेष के लिए नहीं किया जा रहा है।जनता की मांगो का वे समर्थन कर रहे हैं। यदि उनकी मांगे पूरी नहीं होती है तो 16 जनवरी से साहिबगंज व पाकुड़ के पत्थर व्यवसायी रेलवे के रैक के माध्यम से पत्थरों की ढुलाई बंद कर देंगे।सोमवार से इसकी शुरूआत भी हो गई है।उन्होंने कहा कि मार्च- अप्रैल तक रेल विकास से जुड़ी मांगे माननी होगा।उन्होंने कहा साहिबगंज व पाकुड़ से रैक लोडिंग से रेलवे को करीब 10 करोड रुपए प्रतिदिन राजस्व मिलने के बाद भी रेलवे ने साहिबगंज व पाकुड़ को उपेक्षित कर रखा है,रेलवे यहां से मलाई खा रही है और लाभ किसी और जिले को दे रही है। बता दें कि उन्होंने रेलवे को अल्टीमेटम देते हुए मालदा रेल डिवीजन के डीआरएम ज्ञापन सौंपकर साहिबगंज में पूर्वी और पश्चिम रेलवे गेट पर आरओबी का निर्माण करवाने,भागलपुर से चलने वाली कई ट्रेनों का विस्तार साहिबगंज तक करने कोरोना के नाम पर बंद किए गया अपर इंडिया को चालू करने,दिल्ली के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ाने, साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी में एसी कोच की सुविधा देने,वनांचल ट्रेन में एसी फर्स्ट क्लास की सुविधा देने,बेंगलुरु, सूरत और मुंबई के लिए साहिबगंज से ट्रेन की सुविधा देने सहित अन्य मांगे रखी थी।जबकि पाकुड़ से पटना और दिल्ली तक के लिए सीधी ट्रेन सेवा देने,शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन,वंदे भारत ट्रेन,बेंगलुरु के लिए चलने वाली ट्रेनों सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर देने की मांग भी की है।

न्यूज IN ब्रीफ

रील बनाने के चक्कर में किशोर पेड़ से गिरा हाथ फ्रैक्चर

साहिबगंज/उधवा : आज के दौर में सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ में युवा ही नहीं, बल्कि बच्चे भी अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। लाइक, व्यू और फॉलोअर्स की चाहत कई बार ऐसे हादसों को जन्म दे रही है, जो जीवनभर का दर्द दे जाती है। ऐसा ही एक मामला थाना क्षेत्र से सामने आया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत बेगमगंज नाइप आम बगीचा में रील बनाने के दौरान एक हादसा हो गया। सोशल मीडिया के लिए आकर्षक रील बनाने की कोशिश में एक 12 वर्षीय किशोर आम के पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में बच्चे का दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया।बताया जा रहा है कि नाइप आम बगीचा में कुछ बच्चे मोबाइल से रील व फोटो शूट करने के उद्देश्य से आम के पेड़ पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान 12 वर्षीय किशोर का पैर अचानक फिसल गया और वह असंतुलित होकर हाथ के बल जमीन पर गिर पड़ा। वही हादसे के बाद परिजनों को सूचना दी गई। आनन-फानन में घायल किशोर को परिजन इलाज के लिए पाकुड़ ले गए, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे का दाहिना हाथ फ्रैक्चर हुआ है और फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

मधुआपाड़ा को हराकर फाइनल में पहुंची कोटालपोखर पंचायत

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र के श्रीकुंड स्थित मिल्लत हाई स्कूल मैदान में खेले जा रहे गुमानी प्रीमियर लीग सीजन-8 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में कोटालपोखर पंचायत की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मधुआपाड़ा को 10 विकेट से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।मैच की बात करें तो टॉस जीतकर कोटालपोखर ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया।बल्लेबाजी करने उतरी मधुआपाड़ा की टीम15.3 ओवर में 93 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।मधुआपाड़ा की ओर से अमीर ने 38 रन और अशफाक ने 23 रनों का योगदान दिया।कोटालपोखर की घातक गेंदबाजी के सामने मधुआपाड़ा की बल्लेबाजी ज्यादा देर टिक नहीं सकी।सचिन चिवा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके,जबकि अमित मंडल और अभिजीत शर्मा (बाबू) को 2-2 सफलता मिली।लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोटालपोखर पंचायत की टीम ने मात्र 8.1ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 95 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।ओपनर इंद्रजीत शर्मा ने विस्फोटक अंदाज में नाबाद 51 रन बनाए,वहीं अमित मंडल ने 40 रनों की नाबाद पारी खेली।दोनों बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए मधुआपाड़ा के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।वहीं कोटालपोखर के अमित मंडल को उनके हरफनमौला प्रदर्शन को देखते हुए मैन ऑफ द मैच के रूप में सम्मानित किया गया।कोटालपोखर की इस एकतरफा जीत के साथ टीम ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है।कोटालपोखर टीम के कप्तान मृत्युंजय कुमार उर्फ गुनी ने कहा कि फाइनल मुकाबले को लेकर सकारात्मक हैं।पिछला सीजन में उपविजेता रहे थे लेकिन इस सीजन में चैंपियन के रूप में टूनार्मेंट का अंत करेंगे।मैच के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। अब सभी की निगाहें टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं,जहां कोटालपोखर पंचायत मंगलवार को होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता टीम के खिलाफ खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी।टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला 11 जनवरी को खेला जाएगा।

आदिवासी गांव में डॉ.सूर्यनंद पोद्दार ने बांटे कंबल

साहिबगंज : जब कड़ाके की ठंड हड्डियों तक सिहरन पैदा कर रही थी और गरीब आदिवासी परिवारों की रातें और भी लंबी व मुश्किल हो गई थीं।उसी ठंड के बीच मानवता की मिसाल पेश करते हुए पोद्दार होमियो क्लीनिक की ओर से सोमवार को जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबलों का वितरण किया गया।समाजसेवी डॉ.सूर्यनंद पोद्दार इंसानियत की गर्माहट लेकर आदिवासी गांव पहुंचे, जहां यह कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं,बल्कि संवेदनाओं से भरा सजीव दृश्य बन गया।ठंड से कांपते हाथों से जब बुजुर्गों ने कंबल थामे,तो उनकी नम आंखें बहुत कुछ कह रही थीं। बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान और महिलाओं की आंखों में दिखा सुकून इस बात का प्रमाण था कि यह कंबल केवल ठंड से बचाने का साधन नहीं,बल्कि सहारा,अपनापन और भरोसे का एहसास भी थे।कंबल ओढ़ते ही मानो ठंड के साथ-साथ जीवन की परेशानियां भी कुछ पल के लिए दूर हो गईं।इस अवसर पर भावुक होते हुए डॉ. सूर्यनंद पोद्दार ने कहा कि पोद्दार होमियो, साहिबगंज की ओर से हर वर्ष गरीब आदिवासी ग्रामीणों के बीच कंबल के साथ-साथ आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया जाता है।उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत देखकर उन्हें असीम शांति और आत्मिक सुकून मिलता है ।और यही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है।कार्यक्रम में मनोज कुमार गुप्ता,पत्रकार प्रवीण कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।लगभग 10 वृद्ध व लाचार आदिवासी महिला-पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया गया।सभी उपस्थित लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में संवेदना, करुणा और आपसी सहयोग की भावना को और मजबूत करते हैं।कड़ाके की ठंड में जब इंसानियत की गर्माहट मिल जाए,तो सर्द रातें भी आसान हो जाती हैं ।और डॉ.सूर्यनंद पोद्दार का यह प्रयास उसी इंसानियत की एक सशक्त मिसाल बनकर सामने आया।

वार्षिक अधिवेशन सफल रहा जिसका श्रेय सभी सदस्यों को जाता है : राजकुमार

साहिबगंज : केंद्रीय कार्यालय बाकुडी में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष की अध्यक्षता में जिला कमेटी की बैठक हुई।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय सहायक मंत्री गणेश ठाकुर, और केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी मुख्य रूप से उपस्थित हुए।बैठक मे विगत 21 दिसंबर 2025 को बरहरवा में वार्षिक अधिवेशन की सफलता की समीक्षा की गई सभी ने एक शहर में कहा कि वार्षिक अधिवेशन सफल रहा जिसका श्रेय सभी सदस्यों को जाता है।वही सभी सदस्यों ने एक दूसरे को नव वर्ष कि बधाई दी।बैठक मे झारखंड मजदूर संघ प्रजा० के सदस्यों ने निर्णय लिया कि नए साल के उपलक्ष में सभी सदस्यों ने मिलकर मोती झरना पर्यटक स्थल में आगामी 18 जनवरी वनभोज कार्यक्रम किया जायेगा।वही संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं केंद्रीय सहायक मंत्री गणेश ठाकुर का जन्म उत्सव केक काटकर मनाया गया,एवं सभी ने राजकुमार यादव व गणेश ठाकुर को केक खिलाकर जन्मदिन कि बधाई दिया।मौके पर मोहम्मद इमाम विश्वास,ब्रह्मदेव यादव निखिल यादव,मोहम्मद जावेद अख्तर,अंसार खान,रोशन मुर्मू,मोहम्मद सिफाजुल विश्वास,मिथुन घोष,बाबूराम शाह,तिलकाई मुर्मू,इकरामुल अली,जया देवी,रेखा देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

यूनाइटेड कप: मर्टेंस की जीत से बेल्जियम ने कनाडा को हराया, ग्रुप विजेता का फैसला अब मिक्स्ड डबल्स पर

एजेंसी

सिडनी : एलिस मर्टेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया और यूनाइटेड कप टेनिस टूनार्मेंट में बेल्जियम की कनाडा पर जीत पक्की कर दी। यह मुकाबला 2 घंटे 5 मिनट तक चला। इससे पहले जिजू बर्ग्स ने वर्ल्ड नंबर-5 फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-4, 6-2 से हराकर बेल्जियम को क्वार्टरफाइनल के बेहद करीब पहुंचा दिया। हालांकि टाई जीतने के बावजूद बेल्जियम को नॉकआउट में पहुंचने के लिए क्लीन स्वीप की जरूरत है। यदि कनाडा मिक्स्ड डबल्स जीतता है, तो वही टीम अगले दौर में प्रवेश करेगी। मर्टेंस की मजबूत सर्विस, निर्णायक साबित हुई

मर्टेंस ने अपनी दमदार सर्विस के दम पर पहला सेट अपने नाम किया। उन्होंने शुरूआती चार सर्विस गेम्स में एक भी अंक गंवाए बिना होल्ड किया और छठे गेम में म्बोको की सर्विस ब्रेक कर बढ़त बना ली। हालांकि दूसरे सेट में म्बोको ने जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में मर्टेंस ने फिर नियंत्रण हासिल कर लिया। चौथे गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद मर्टेंस ने ब्रेक हासिल किया और अंत तक बढ़त बनाए रखी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, मर्टेंस ने मैच में अपनी पहली सर्विस पर 93 प्रतिशत अंक जीते, जो उनकी जीत का बड़ा कारण रहा।

बर्ग्स ने रचा उलटफेर

इससे पहले पुरुष एकल में जिजू बर्ग्स ने शानदार खेल दिखाते हुए फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 1 घंटे 28 मिनट में हराया। यह बर्ग्स के करियर की दूसरी टॉप-10 जीत रही। इससे पहले उन्होंने 10 महीने पहले मियामी में तत्कालीन वर्ल्ड नंबर-9 आंद्रे रूबलेव को हराया था। मैच के बाद बर्ग्स ने कहा,ह्लमैं तो भूल ही गया था कि यह मेरी दूसरी टॉप-10 जीत है। यह वाकई बहुत बड़ी बात है, खासकर जिस तरह से मैंने खेला। इस फॉर्मेट में हमें अभी और मैच जीतने हैं, इसलिए मेरा पूरा फोकस सिर्फ काम पूरा करने पर था।ह्व

ऑगर-अलियासिमे का प्रभावहीन प्रदर्शन

हालांकि ऑगर-अलियासिमे ने 2025 में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन खेला था, जिसमें वह यूएस ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे और निट्टो एटीपी फाइनल्स में भी खेले। सीजन के अपने पहले मैच में उन्होंने झांग के खिलाफ शानदार खेल दिखाया था, लेकिन बर्ग्स के खिलाफ वह उसी लय में नजर नहीं आए। खास बात यह रही कि बर्ग्स ने मुकाबले में मिले सभी पांच ब्रेक पॉइंट बचा लिए।

अब ग्रुप विजेता और क्वार्टरफाइनल में जगह का फैसला मिक्स्ड डबल्स मुकाबले से होगा, जिस पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

नई क्रिएटिव पीढ़ी को मौका देने उतरीं दीपिका पादुकोण, 'द ऑनसेट प्रोग्राम' की शुरूआत

एक्टर, प्रोड्यूसर और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सक्रिय दीपिका पादुकोण ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर उभरते हुए युवा क्रिएटिव टैलेंट को आगे बढ़ाने की दिशा में एक नई पहल की है। सच्ची कहानियों और नए आर्टिस्ट्स को मंच देने की अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए दीपिका ने 'द ऑनसेट प्रोग्राम' के लॉन्च का ऐलान किया है। यह उनके 'क्रिएट विद मी' प्लेटफॉर्म का अगला चरण है, जिसका उद्देश्य भारतीय फिल्म, टेलीविजन और विज्ञापन जगत में करियर बनाने की चाह रखने वाले नए क्रिएटिव प्रोफेशनल्स को पहचान, अवसर और सही मार्गदर्शन देना है। यह प्रोग्राम न केवल सीखने के इच्छुक टैलेंट को प्रशिक्षण और अनुभव हासिल करने का मौका देगा, बल्कि उन लोगों के लिए भी एक मजबूत मंच बनेगा, जिनके पास अपने प्रोजेक्ट्स को संभालने का कौशल और अनुभव है। इसके पहले चरण में लेखन, निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी, लाइटिंग, एडिटिंग, साउंड, आर्ट, कॉस्ट्यूम डिजाइन, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप और प्रोडक्शन जैसे कई अहम क्रिएटिव विभागों को शामिल किया गया है।इस पहल की जानकारी देते हुए दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से वह देश और विदेश के बेहतरीन क्रिएटिव टैलेंट को पहचानने और उन्हें ऐसा मंच देने की दिशा में सोच रही थीं, जहां उनकी आवाज सुनी जा सके और उनके काम को सही पहचान मिले।

एफकॉन 2025: मिस्र ने बेनिन को 3-1 से हराकर अंतिम-16 में किया प्रवेश

अगादिर, 06 जनवरी (हि.स.)। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने 124वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एफकॉन) 2025 के अंतिम-16 मुकाबले में बेनिन पर 3-1 से रोमांचक अतिरिक्त समय की जीत दिलाई। कड़े संघर्ष वाले इस मैच में बेनिन ने अंत तक मिस्र को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अनुभव और गुणवत्ता ने अंततः मिस्र का पलड़ा भारी कर दिया। नियमित समय में मारवान अतिया के गोल से मिस्र ने बढ़त बनाई, जिसे जोडेल डोसोउ ने बराबर कर दिया। अतिरिक्त समय में यासिर इब्राहिम के हेडर से मिस्र फिर आगे हुआ और फिर सलाह ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर मुकाबला मिस्र की झोली में डाल दिया। यह सलाह का एफकॉन में 10वां गोल

रहा। रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन मिस्र अब क्वार्टरफाइनल में शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन आइवरी कोस्ट या बुर्किना फासो से भिड़ेगा। यह मुकाबला भी अगादिर में ही खेला जाएगा। मैच के बाद मिस्र के कोच होसाम हसन ने कहा,ह्लमैंने पहले ही कहा था कि यहां कोई आसान टीम नहीं होती। बेनिन ने हमें कड़ी चुनौती दी। मिस्र एक बड़ी टीम है और मैं अपने लोगों को खुश करना चाहता हूं। मोहम्मद हम्दी की चोट चिंताजनक है, लेकिन खिलाड़ियों ने उनके लिए खेल दिखाया। वहीं बेनिन के कोच गर्नोट रोहर ने कहा,ह्लयह एक बेहतरीन लड़ाई थी, फुटबॉल के साथ जज्बे की भी। मिस्र के खिलाड़ियों का स्तर अलग है। हमारे स्टार स्ट्राइकर स्टीव मौनी की गैरमौजूदगी हमें भारी पड़ी, खासकर हवाई खेल में।ह्व

मैच का हाल : मिस्र ने अपने पिछले ग्रुप मैच की तुलना में टीम में 10 बदलाव किए, केवल इब्राहिम आदेल को बरकरार रखा गया। शुरूआती मिनटों में ओमार मार्मूश को बढ़त दिलाने का मौका मिला, लेकिन बेनिन के गोलकीपर मार्सेल डांडजिनू ने शानदार बचाव किया।

खेलो इंडिया बीच गेम्स ने भारतीय खेलों को नई दिशा दी: प्रधानमंत्री मोदी

दीव : घोघला बीच पर सोमवार को खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 के दूसरे संस्करण का भव्य आगाज हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया बीच गेम्स ने भारतीय खेलों के क्षितिज को विस्तृत किया है और प्रतिभा विकास के नए मार्ग खोले हैं। 5 से 10 जनवरी तक चलने वाले इन खेलों में देशभर से 2100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीच और तटीय खेल शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता और बदलती परिस्थितियों में प्रदर्शन करने की क्षमता को विकसित करते हैं। उभरते खेलों को मंच देकर ये खेल प्रतिभाओं की खोज, पहचान और उन्हें निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने ब्लू फ्लैग प्रमाणित घोघला बीच को आयोजन स्थल के रूप में चुने जाने की सराहना करते हुए कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य में आयोजित खेल पर्यावरण जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं।खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 का औपचारिक उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया। उद्घाटन समारोह से पहले एथलीटों की परेड और मशाल रिले का आयोजन हुआ, जिसमें बीच फुटबॉल, बीच वॉलीबॉल और रस्साकशी के उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने भाग लिया। मशाल को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव एवं लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल ने स्थापित किया। इस आयोजन में 1100 से अधिक खिलाड़ी आठ खेलों—बीच वॉलीबॉल, बीच सॉकर, सेपक टकरॉ, बीच कबड्डी, पेंकक सिलाट, ओपन वॉटर स्विमिंग, मल्लखंब और रस्साकशी—में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इनमें से छह खेल पदक स्पधाएँ हैं, जिनमें कुल 32 स्वर्ण पदक दांव पर हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि आज भारत की खेल संस्कृति में बड़ा परिवर्तन हो रहा है। आधुनिक बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और पारदर्शी प्रतियोगी मंच अब हर कोने के युवाओं तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने खेलो इंडिया, सांसद खेल महोत्सव और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (ळडढर) जैसी पहलों को भारत के एथलीटों को वैश्विक स्तर पर तैयार करने में निर्णायक बताया।

विवेक अग्निहोत्री ने 'धुरंधर' पर दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' दर्शकों और आलोचकों दोनों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फिल्म की सफलता और अभिनय की तारीफें इतनी तेजी से फैल रही हैं कि बड़े नाम के फिल्म निमार्ता भी इसकी सराहना कर रहे हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने किया प्रशंसा का इजहार : चर्चित फिल्मों 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द वैक्सीन वॉर' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' देखकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया शेयर की। विदेश यात्रा से लौटते ही उन्होंने सबसे पहले यह फिल्म देखी और कहा, ₹मैं दंग रह गया और मुझे गर्व महसूस हो रहा है।₹ अग्निहोत्री ने फिल्म के प्रोडक्शन डिजाइन की भी तारीफ की और लिखा कि उनके दोस्त सैनी जोहराय द्वारा किया गया डिजाइन न केवल सजावटी है, बल्कि पूरी कहानी को मजबूती देता है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को प्रशंसा के काबिल बताया।

निर्देशक आदित्य धर को विशेष श्रेय :

विवेक ने आदित्य धर के काम की विशेष सराहना करते हुए कहा, ₹मैंने हमेशा आपके काम की तारीफ की है, लेकिन यह फिल्म आपको एक अलग लेवल पर ले जाती है। मैंने फिल्म देखी और मुझे आप पर, आपकी कला पर और भारतीय सिनेमा पर गर्व महसूस हुआ।₹

कल्ट फिल्म नायक का सीक्वल बना सकते हैं अनिल कपूर

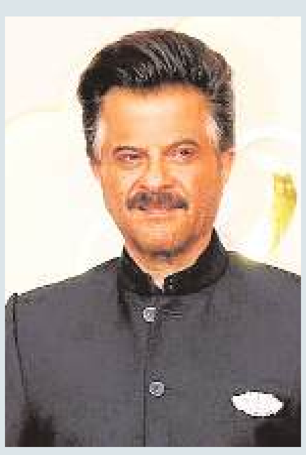

साल 2001 में रिलीज हुई अनिल कपूर, रानी मुखर्जी और अमरीष पुरी स्टारर फिल्म नायक सुपरहिट रही थी। फिल्म आज भी भारत की कल्ट फिल्मों में गिनी जाती है। अब फिल्म रिलीज के 25 साल बाद अनिल कपूर जल्द ही इसका सीक्वल ला सकते हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर ए.एम.रत्नम से फिल्म के राइट्स खरीद लिए हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि सनम तेरी कसम जैसी हिट फिल्म बना चुके प्रोड्यूसर दीपक मुकुट के पास साल 2001 में आई फिल्म नायक के राइट्स थे। लेकिन हाल ही में अनिल कपूर ने उनसे फिल्म नायक के राइट्स खरीद लिए हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि फिल्म नायक अनिल कपूर के दिल के बेहद करीब है, इसलिए वो इसके राइट्स अपने पास रखना चाहते हैं। वो इस फिल्म का सीक्वल भी बनाना चाहते हैं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि सालों में इस फिल्म को दर्शकों से कितना प्यार मिला है और उनका मानना है कि नायक के सब्जेक्ट में सीक्वल की संभावनाएं हैं।

एकता कपूर की Naagin की दुश्मन है 60 साल की ये एक्ट्रेस

घर से भागकर की शादी; मां नहीं बनने का क्यों लिया फैसला?

कमाल की एक्ट्रेस हैं सुधा चंद्रन

हम बात कर रहे हैं टॉप एक्ट्रेस सुधा चंद्रन की, जो टीवी और बॉलीवुड में लंबे समय से काम करती नजर आ रही हैं. सुधा ने कई टीवी सीरियल में अपनी बेहतरीन एक्टिंग से फैंस को इंप्रेस किया है.

आज हम आपको बॉलीवुड और टीवी की एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बताने वाले हैं जो एकता कपूर के शो नागिन की सबसे बड़ी विलेन है. इस हसीना ने नागिन में कई एक्ट्रेसेस से पंगा लिया है. बॉलीवुड और टीवी जगत में कई एक्ट्रेसेस रहीं, जिन्होंने हीरोइन नहीं बल्कि विलेन के रूप में अपनी पहचान बनाई. एकता कपूर ने जिस तरह कई हीरो-हीरोइन फैंस को दिए हैं, उसी तरह कई विलेन भी यहीं से आए हैं और आज हम आपको एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बताने वाले हैं, जो एकता कपूर के शो नागिन में छा गई. इतना ही नहीं, वह कई फिल्मों में नजर आई और टीवी की टॉप की विलेन कहलाई. इस एक्ट्रेस का करियर शानदार है और आज भी वह 60 साल की उम्र में टीवी की टॉप खलनायिकाओं में से एक हैं.

जय भानुशाली ने कन्फर्म किया डिवोर्स

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने कपल जय भानुशाली और माही विज का रिश्ता खत्म हो गया है. जय ने सोशल मीडिया के जरिए डिवोर्स की खबरों पर मुहर लगा दी है. हालांकि वे माही विज संग मिलकर अपने बच्चों की को-पेरेंटिंग करते रहेंगे.

टीवी की दुनिया से एक दुखद खबर सामने आ रही है. टीवी के पावर कपल जय भानुशाली और माही विज ने डिवोर्स का ऐलान कर दिया है. दोनों एक समय से क्लोज बॉन्डिंग शेयर करते आए हैं इसलिए फैंस के लिए ये न्यूज शॉकिंग है. बीच में भी दोनों के तलाक को लेकर खबरें आई थीं लेकिन उस दौरान कपल ने इन खबरों का खंडन किया था. मगर अब टीवी एक्टर जय भानुशाली ने सोशल मीडिया के जरिए सेपरेशन की अनाउंसमेंट कर ली है और माही विज के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है. जय भानुशाली ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए लिखा- जीवन के सफर में हम दोनों ने अलग होने का फैसला लिया है. लेकिन इसके बाद भी हम एक-दूसरे का सपोर्ट करते रहेंगे. शांति, तरक्की, करुणा और इंसानियत हमेशा से ही हम दोनों के लिए जीवन जीने के मूल सिद्धांतों में से एक रहे हैं. अपने बच्चों तारा, खुशी और राजवीर के लिए हम बेस्ट पैरेंट्स बनने की कोशिश करते रहेंगे और दोनों मिलकर उनके लिए वो फैसले लेंगे जो उनके हित में होंगे.

साउथ की ये एक्ट्रेस करेगी बॉलीवुड डेब्यू

रणवीर सिंह की 'प्रलय' के लिए मिल गई हिरोइन

धुरंधर के बाद अब रणवीर सिंह अपनी अगली फिल्म प्रलय को लेकर चर्चा में हैं. ये एक जॉम्बी एक्शन फिल्म होगी. इस फिल्म को लेकर एक खबर मिली है कि मेकर्स को इसकी हिरोइन मिल गई है. रणवीर सिंह 'धुरंधर' की धमाकेदार सक्सेस के बाद से ही सुर्खियों में बने हुए हैं. इस फिल्म में उनकी एक्टिंग ऑडियंस और क्रिटिक्स को काफी पसंद आई. धुरंधर के बाद लोग ये जानने के लिए एक्साइटेड हो गए हैं कि अब रणवीर सिंह कौन सी फिल्म में नजर आएंगे. बीते दिनों खबर आई थी कि रणवीर सिंह ने फरहान अख्तर की 'डॉन 3' से एक्जिट ले लिया है. Don 3 से हटने के बाद रणवीर सिंह ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की तैयारी कर रहे हैं. रणवीर सिंह की अगली फिल्म 'प्रलय' एक जॉम्बी जॉनर की फिल्म होगी. रणवीर की इस फिल्म की चर्चा धुरंधर के बाद से ही हो रही है. हालांकि, 'प्रलय' से जुड़ी और कोई जानकारी नहीं सामने आई है. लेकिन अब खबर मिली है कि रणवीर की इस फिल्म के लिए मेकर्स को हिरोइन मिल गई है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब ये कंफर्म हो गया है कि रणवीर सिंह की मच अवेटेड जॉम्बी एक्शन फिल्म 'प्रलय' के लिए साउथ एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन को लीड एक्ट्रेस के तौर पर फाइनल कर लिया गया है. ये एक बिग बजट प्रोजेक्ट होने वाला है, जिसमें पावरफुल क्रिएटिव टीम एक साथ आ रही है.

556 वर्ष पूर्व मुगल शासक अकबर ने लगाई थी पंच कोसी परिक्रमा पर रोक, योगी सरकार में हुई पुनर्जीवित

सनातन परंपरा, आस्था एवं सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक है प्रयाग की पंच कोसीय परिक्रमा

एजेंसी

प्रयागराज : सनातन परंपरा, आस्था एवं सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक प्रयाग की पंच कोशी परिक्रमा है। मुगल शासक अकबर ने 556 वर्ष पूर्व इस धार्मिक परिक्रमा पर पाबन्दी लगाते बंद कर दिया था। संतों के कई वर्ष प्रयास के बाद योगी सरकार ने वर्ष 2019 में शुरू करने का अच्छा प्रयास किया। यह जानकारी देते हुए मंगलवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रयाग की सनातन परंपरा, आस्था एवं सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक पंचकोसी परिक्रमा की माघ मेला में शुरूआत हो गई है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा की अगुवाई में संगम में गंगा पूजन से इसकी शुरूआत सोमवार को हुई। यह पंचकोसीय परिक्रमा पांच दिनों तक चलेगी जिसमें आखिरी दिन साधु-संतों के लिए भंडारे का आयोजन होगा। माघ मेला प्रशासन को इस परिक्रमा के आयोजन में यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी मिली है। संगम में गंगा पूजन के बाद साधु संतों का समूह अक्षयवट और आदि शंकर विमान मण्डपम मंदिर भी गया। इसके उपरांत पहले दिन की परिक्रमा का समापन हो गया।

क्यों होती है पंच कोसी परिक्रमा

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि का कहना है कि पंच कोशी परिक्रमा प्रयाग की प्राचीन धार्मिक परम्परा है । इस परिक्रमा की परम्परा के पीछे प्रयागराज का वह क्षेत्रीय विस्तार है जिसके अनुसार प्रयाग मंडल पांच योजन और बीस कोस में विस्तृत है। गंगा यमुना और सरस्वती के यहाँ 6 तट है जिन्हें मिलाकर तीन अन्तर्वेदियाँ बनाई गई हैं- अंतवेर्दी , मध्य वेदी और बहिवेर्दी । इन तीनो वेदियो में कई तीर्थ, उप तीर्थ और आश्रम हैं जिनकी परिक्रमा को पंचकोसी परिक्रमा के अन्दर शामिल किया गया है। प्रयाग आने वाले सभी तीर्थ यात्रियों को इसकी परिक्रमा करनी चाहिए क्योंकि इससे इनमे विराजमान सभी देवताओं, आश्रमों, मंदिरों, मठो और जलकुंडो के दर्शन से अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है ।

556 साल पहले अकबर ने लगाई थी रोक

दिव्य और भव्य माघ मेले के आयोजन में कई परम्पराएं शामिल हैं जिसमें कल्पवास और पंचकोशी परिक्रमा भी शामिल है। परिक्रमा में शामिल हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि पंचकोसी परम्परा आज से 556 साल पहले माघ मेले का अटूट हिस्सा थी। 556 साल पहले मुगल शासक अकबर ने इसे रोक दिया था। कई वर्षों के बाद साधु-संतों की मांग के बाद योगी सरकार की कोशिशों से पंचकोसी परिक्रमा की शुरूआत 2019 में हुई और अब यह परम्परा सतत चल रही है।

उत्तर प्रदेश निर्यात एक्सपो 9 और 10 जनवरी को आगरा में

एजेंसी

आगरा : आगरा में दो दिवसीय उत्तर प्रदेश निर्यात सम्मेलन 9 जनवरी से शुरू होगा जिसमें आगरा और अलीगढ़ मंडल के निर्यातक सम्मिलित रहेंगे। इस सम्मेलन के दौरान निर्यात को बढ़ावा देने,उद्यमियों और उद्योगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रचलित सरकारी योजनाओं और अनुदानों के संबंध में जागरूक किया जाएगा और भारतीय उत्पादों का किन देशों में ज्यादा बाजार और भविष्य है, इसके बारे में भी जानकारी दी जाएगी। वर्ष 2026 एंटीप्रिंन्योर और निर्यात से जुड़े युवा उद्धमियों में लिए नई ऊर्जा का संचार करेगा। उत्तर प्रदेश निर्यात एक्सपो 9 और 10 जनवरी को आगरा में फतेहाबाद रोड स्थित एक होटल में आयोजित किया जा रहा है जिसमें आगरा व अलीगढ़ मंडल के करीब 600 से अधिक निर्यातक, उद्यमी सम्मिलित रहेंगे। इस कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, विदेशी व्यापार महानिदेशालय के प्रतिनिधियों के अलावा 15 से अधिक व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने, बाजार की मांग और जरूरत, और स्थान के हिसाब से उद्योगों को स्थापित करने और इस दौरान आने वाली समस्याओं पर विचार मंथन किया जाएगा। उद्योगों के लिए निर्यात के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला जाएगा। एमएसएमई के संयुक्त आयुक्त अनुज कुमार ने बताया कि आगरा -अलीगढ़ मंडल से 8 से 10 हजार करोड रुपए का निर्यात होता है, इसमें पेठा, जूता, कांच, चावल, हींग हार्डवेयर, ताले, फर्नीचर, मार्बल स्टोन, गारमेंट्स, सेनेटरी फिटिंग, कारपेट उत्पाद प्रमुख हैं। अकेले आगरा से 6000 करोड रुपए का निर्यात होता है। एक्सपो में उद्यम स्थापित करने के लिए या प्रचलित उद्योगों के लिए सरकारी योजनाओ, अनुदान ओडीओपी आदि के संबंध में उद्यमियों को नई-नई जानकारी दी जाएगी। इसके लिए उद्योग विभाग ने मर्चेंट चैंबर से संपर्क कर डिजिटल स्लाइड और साहित्य तैयार किए गए हैं जिसका प्रदर्शन सम्मेलन के दौरान किया जाएगा। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने बताया कि उत्तर प्रदेश से विभिन्न व्यापारिक उत्पादों का 1.86 लाख करोड रुपए का निर्यात किया जाता है। वर्ष 2030 तक इसको दोगुना करने का लक्ष्य है। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में निर्यात किसी भी राष्ट्र की आर्थिक मजबूती का प्रमुख आधार है। उत्तर प्रदेश में एमएसएमई, ओडीओपी, कृषि, हस्तशिल्प, चमड़ा, फुटवियर, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अपार संभावनाएं हैं। यह सिंपोजियम नीति, उद्योग और बाजार के बीच सीधा संवाद स्थापित कर निर्यात वृद्धि के लिए ठोस आधार तैयार करेगा। एक्सपो में निर्यातकों को वर्तमान में निर्यात के क्षेत्र में बढ़ रहे चैलेंज को देखते हुए अपने उत्पाद की गुणवत्ता, उच्च कोटि की पैकेजिंग के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। कई ऐसे उत्पाद है जिनका निर्यात संभव है और व्यापारी अभी इससे अनभिज्ञ हैं,ऐसे उद्यमियों को नए-नए उत्पादों के बारे में जानकारी दी जाएगी जिनका निर्यात संभव है।

एफमेक के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि संगोष्ठी में वैश्विक व्यापार रुझान, उभरते अंतरराष्ट्रीय बाजार, ब्रांड इंडिया सुदृढ़ीकरण, मुक्त व्यापार समझौते, व्यापार कूटनीति, क्षेत्र-विशिष्ट निर्यात अवसर, निर्यात क्लस्टर विकास, आपूर्ति श्रृंखला एवं लॉजिस्टिक्स आधुनिकीकरण, हरित निर्यात, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग, निर्यात वित्तपोषण, बीमा और जोखिम प्रबंधन जैसे व्यावहारिक पहलुओं पर समग्र चर्चा होगी, जिससे निर्यातकों के लिए स्पष्ट और प्रभावी रोडमैप तैयार किया जा सके।

मध्य प्रदेश में कोहरे और ठंड की मार, कई जिलों में तापमान में आयी भारी गिरावट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर जारी है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान में भारी गिरावट आई है और कई जगह दृश्यता इतनी कम है कि 20 मीटर से आगे देख पाना भी मुश्किल हो रहा है। शीतलहर और कोहरे के कारण 24 जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है, जबकि कई जिलों में स्कूलों का समय बदल दिया गया है। सोमवार को पूरे प्रदेश में तेज सर्दी, कोहरा और शीतलहर का असर देखा गया। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार सुबह भी 30 से ज्यादा जिलों में कोहरे का असर देखा गया। दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें कोहरे की वजह से अपने निर्धारित समय से 3 घंटे तक लेट चल रही हैं। खासकर मालवा, सचखंड और शताब्दी जैसी ट्रेनें प्रभावित हैं। सर्द हवाओं की वजह से न्यूनतम तापमान ज्यादातर शहरों में 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। शहडोल के कल्याणपुर में पारा 3.8 डिग्री पर आ गया। दतिया में 4.4 डिग्री, राजगढ़-खजुराहो में 5.4 डिग्री, मुरैना-मलाजखंड में 5.5 डिग्री, उमरिया में 5.7 डिग्री, मंडला-पचमढ़ी में 5.8 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों में भोपाल में 6.8 डिग्री, इंदौर में 8.6 डिग्री, ग्वालियर में 6.4 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और जबलपुर में 9 डिग्री रहा।

कोहरे ने बढ़ाई परेशानी

विदिशा में कड़ाके की ठंड का दौर लगातार जारी है। मंगलवार सुबह से शहर पर घने कोहरे की चादर छाई रही, जिससे 10 मीटर तक भी दृश्यता साफ नहीं हो पा रही थी। हालात ऐसे रहे कि वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर वाहन चलाना पड़ा। नर्मदापुरम में बर्फीली हवाओं के चलते कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी 100 मीटर से कम रही। मुरैना में मंगलवार को सीजन का सबसे घना कोहरा देखने को मिला।

चाय की दुकान की आड़ में मादक पदार्थों का कारोबार, एक गिरफ्तार

एजेंसी

सिलीगुड़ी : खोरीबाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने भारत-नेपाल सीमा के गोंडोगोल जोत इलाके में सोमवार रात एक कुख्यात मादक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान नीलकंठ बर्मन के रूप में हुई है, जो पानीटंकी के गोंडोगोल जोत का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नीलकंठ बर्मन को पहले भी चाय की दुकान की आड़ में मादक पदार्थ बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जेल से छूटने के महज छह महीने के भीतर ही उसने फिर से नशे का अवैध कारोबार शुरू कर दिया। मिली सूचना के आधार पर खोरीबाड़ी थाने की पुलिस ने उसके घर पर बीती रात छापा मारा। तलाशी के दौरान बॉक्स पलंग के अंदर से 101 ग्राम ब्राउन शुगर और 13 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की गई। जब्त किए गए मादक पदार्थों की बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपित राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित अपनी चाय की दुकान के जरिए खुलेआम नशे का कारोबार चला रहा था। दार्जिलिंग जिला पुलिस के निर्देश पर जिले को नशामुक्त बनाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही थी, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई।

लाल के बाद अब दिखी हरी मकड़ी की खोज, जैव-विविधता के क्षेत्र में जुड़ा नया आयाम

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले की समृद्ध जैव-विविधता में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। पहले जहां जिले में दुर्लभ लाल रंग की मकड़ी की खोज हुई थी, वहीं अब पहली बार हरे रंग की मकड़ी – ओलिओस मिलेटि की उपस्थिति दर्ज की गई है। यह दुर्लभ प्रजाति केशपुर प्रखंड के कलाग्राम इलाके में पाई गई है, जिससे शोधकताओं और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

केशपुर सुकुमार सेनगुप्ता महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुमन प्रतिहार ने बताया कि ओलिओस मिलेटि पूरी तरह हरे रंग की होती है। इस कारण यह पेड़ों की पत्तियों के साथ सहज रूप से घुल-मिल जाती है। इसी ह्यकैमफ्लाजह्न या छलावरण की तकनीक से यह अपने शिकार को चकमा देती है। यह मकड़ी फूलों पर शहद पीने आने वाली मधुमक्खियों, तितलियों और मच्छरों को घात लगाकर शिकार बनाती है। कई बार यह अपने आकार से बड़े कीटों को भी विषैले दंश से काबू में कर लेती है। भोजन की कमी होने पर यह फूलों का पराग और शहद से भी अपना पेट भर लेती है। सोमवार सुबह डॉ. सुमन प्रतिहार के छात्र अभिजीत सेनापति ने केशपुर के कलाग्राम क्षेत्र में इस विशिष्ट हरी मकड़ी को देखा और इसकी पहचान की। विशेषज्ञों के अनुसार, ओलिओस प्रजाति की मकड़ियां भारत के अन्य हिस्सों और श्रीलंका में पाई जाती हैं, लेकिन पश्चिम मेदिनीपुर जिले में अब तक इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं थी।

पश्चिम मेदिनीपुर जिला लगातार नई जैविक खोजों के कारण शोधकताओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वर्ष 2020 में डॉ. सुमन प्रतिहार और उनके छात्र चंदन दंडपाट ने मेदिनीपुर सदर ब्लॉक के नयाग्राम क्षेत्र से ह्यमेगालोमॉर्फह्न श्रेणी की लाल मकड़ी की खोज की थी। इडायप्स वंश की इस मकड़ी को पहली बार यहीं पाए जाने के कारण ह्यइडायप्स मेदिनीह्न नाम दिया गया। यह मकड़ी जमीन में गड्ढा बनाकर रहने वाली ह्यट्रैपडोर स्पाइडरह्न के रूप में जानी जाती है और इसकी खोज ह्यवर्ल्ड स्पाइडर कैटलॉगह्न में भी दर्ज है। इसी तरह हाल ही में विद्यासागर विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने भादुतला जंगल से सटे हरिनामारी क्षेत्र में लिवरवॉर्ट प्रजाति के एक नए पौधे की खोज की, जिसका नाम पश्चिम बंगाल के नाम पर ह्यफोसम्ब्रोनिया बेंगलिनेसिसह्न रखा गया। डॉ. सुमन प्रतिहार ने बताया कि ओलिओस मिलेटि की इस खोज को पश्चिम मेदिनीपुर जिले की जैव-विविधता कैटलॉग में दर्ज कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच निचले स्तर से सुधार का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार चढ़ाव के बीच निचले स्तर से सुधार होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवालों ने दबाव बना दिया। हालांकि खरीदार भी बीच-बीच में लिवाली का जोर बढ़ाने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईसीआईसीआई बैंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अपोलो हॉस्पिटल, बजाज ऑटो और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 2.23 प्रतिशत से लेकर 1.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ट्रेंट लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीएमपीवी, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर 7.45 प्रतिशत से लेकर 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,240 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,025 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,215 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 108.48 अंक की कमजोरी के साथ 85,331.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 430 अंक से ज्यादा की कमजोरी के साथ 85,007.67 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 62.20 अंक की गिरावट के साथ 85,377.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 60.60 अंक लुढ़क कर 26,189.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक 100 अंक से ज्यादा टूट कर 26,144.70 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 7.30 अंक की मामूली बढ़त के साथ 26,257.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 322.39 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 85,439.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 78.25 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,250.30 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

पूर्वी चंपारण पहुंचा दुनिया का सबसे विशाल शिवलिंग, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

पूर्वी चंपारण : बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड के कैथवलिया में बन रहे विराट रामायण मंदिर में स्थापित होने वाले भगवान शिव का विराट शिवलिंग गंडक नदी पर बने डुमरियाघाट पुल होकर जिला की सीमा में पहुंच गया। इस अवसर पर कड़ाके की ठंढ में हजारो की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के नारो के साथ शिवलिंग का दर्शन और पूजन किया। शिवलिंग डुमरियाघाट पुल से जैसे ही आगे बढी नरसिंह बाबा मंदिर, दुबौली चौक, रामपुर खजुरिया चौक और हुसैनी बाजार तक सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ खड़ी रही। जगह–जगह फूल मालाओं से माताओ, बुजुर्गो और नौजवानो ने बाबा भोलेनाथ का स्वागत किया। सोमवार देर शाम शिवलिंग डुमरियाघाट पुल के समीप पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत दर्शन किए। इसके बाद दुबौली चौक और रामपुर खजुरिया चौक पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर एक ओर का यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया गया।
इस मौके पर एनएचएआई की टीम के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। इस ऐतिहासिक क्षण का फोटो और वीडियो बनाने के लिए लोगो में काफी होड़ देखी गई। उल्लेखनीय है, कि तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित दुनिया के सबसे विराट शिवलिंग लगभग 210 मीट्रिक टन वजनी और 33 फीट ऊंची है, जिसे लाने के लिए 96 पहियों वाले विशेष ट्रक का उपयोग किया गया है। इस शिवलिंग को खरमास के बाद विशेष पूजन के उपरांत विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जायेगा।

मप्र में ई-कैबिनेट एप्लीकेशन : आज मंत्री एवं भारसाधक सचिवों को मिलेंगे टैबलेट

भोपाल : मध्य प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण डिजिटल पहल करते हुए मंत्रि–परिषद की आज मंगलवार को आयोजित होने वाली बैठक में समस्त मंत्रीगण एवं भारसाधक सचिव को टेबलेट प्रदाय किए जा रहे हैं। बैठक में मंत्रि–परिषद सदस्य एवं भारसाधक सचिव को ई–कैबिनेट एप्लीकेशन के संबंध में प्रस्तुतीकरण एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे डिजिटल प्रणाली का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सकें। प्रारंभिक चरण में कुछ मंत्रि–परिषद् बैठक का एजेण्डा भौतिक एवं डिजिटल–दोनों फार्मेट में उपलब्ध कराया जाएगा। इसके उपरांत यह पूर्णतः डिजिटल रूप में भेजा जाएगा। ई–कैबिनेट एप्लीकेशन एक आधुनिक तकनीक, कागज रहित, सुरक्षित और गोपनीय प्रणाली है, जिससे मंत्रीगण कभी भी कहीं भी अपनी सुविधा अनुसार मंत्रि–परिषद् की कार्यसूची देख सकेंगे। ई–कैबिनेट एप्लीकेशन प्रारंभ होने से भौतिक रूप से होने वाले फोल्डर वितरण, कागज एवं समय की भी बचत होगी। साथ ही ई–कैबनेट एप्लीकेशन के माध्यम से पूर्व की बैठकों में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन भी देखा जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1960 से अभी तक के सभी मंत्रि–परिषद् निर्णयों को डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

खरगोनः आईटीआई में आज युवा संगम का आयोजन

खरगोन : मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक शासकीय आई.टी.आई. खरगोन में युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप मेला) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें निजी कम्पनियों द्वारा भर्ती की जाएगी। साथ ही स्वरोजगार के लिए ऋण प्रदाता शासकीय विभागों द्वारा भी युवाओं को स्वरोजगार संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी प्रीतिबाला सस्ते ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में 8वीं से स्नातक/स्नातकोत्तर/आई.टी.आई. उत्तीर्ण युवक, जिनकी उम्र 18 से 30 वर्ष हो, अपनी शैक्षणिक योग्यताओं की अंकसूचियां, रिज्यूम/सीवी, रोजगार कार्यालय का पंजीयन, समग्र आईडी (अनिवार्य), अन्य प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां तथा अपने पासपोर्ट साइज के दो फोटो लेकर मेला में उपस्थित होकर लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये हेल्पलाइन नम्बर 07282–232787 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

स्क्रैप गोदाम में भीषण आग

खड़गपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर लोकल थाना अंतर्गत कलाइकुंडा क्षेत्र के शोभापुर में सोमवार रात एक स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। आग लगने का कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं, जिससे गोदाम के आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में पुराने ड्रम और अन्य स्क्रैप सामग्री रखी हुई थी, जिसके कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। तत्काल खड़गपुर फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन दूरी अधिक होने के कारण समय लगने की आशंका थी। दमकल कर्मियों की तत्परता से कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आग आसपास के रिहायशी इलाके तक फैल जाती तो स्थिति अत्यंत भयावह हो सकती थी। जिला आईएनटीटीयूसी अध्यक्ष गोपाल खटुआ ने बताया कि उक्त स्क्रैप गोदाम स्थानीय निवासी शेख मंटू का है। गोदाम में रखी स्क्रैप सामग्री जलकर खाक हो गई है। हालांकि किसी प्रकार की जानहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम मालिक को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मेदिनीपुर में परिवर्तन सभा, सीपीएम छोड़ 50 परिवार भाजपा में शामिल

मेदिनीपुर : भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष के सक्रिय होने के बाद सोमवार देर शाम पश्चिम मेदिनीपुर शहर में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान सीपीएम से अलग हुए 50 परिवारों ने औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने उन्हें भाजपा का झंडा सौंपकर भाजपा परिवार में स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए दिलीप घोष ने कहा, ह्लपश्चिम बंगाल को तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से मुक्त करना आज समय की सबसे बड़ी मांग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास मॉडल को गांव–गांव तक पहुंचाने के लिए ही भाजपा निरंतर संघर्ष कर रही है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल को बचाने का चुनाव है। उन्होंने आगे कहा, ह्लआज विभिन्न दलों से लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि जनता समझ चुकी है कि बंगाल का भविष्य भाजपा के साथ ही सुरक्षित है। इस चुनाव में राज्य के सभी शुभबुद्धिसंपन्न लोगों को एकजुट होकर तृणमूल के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। सभा में उपस्थित भाजपा नेताओं ने विश्वास जताया कि दिलीप घोष के सक्रिय नेतृत्व और जनता के बढ़ते समर्थन से पश्चिम बंगाल में परिवर्तन तय है तथा राज्य में विकास और सुशासन का एक नया अध्याय शीघ्र प्रारंभ होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान पर इरादे ने बढ़ाया कौतूहल

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर इरादे ने कौतूहल (सस्पेंस) बढ़ा दिया है। ट्रंप की 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' हैट पकड़े सामने आई नई तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा है। ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच ट्रंप ने हालांकि अभी तक सीधी कोई टिप्पणी नहीं की है।
ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने अपने एक्स अकाउंट पर यह तस्वीर साझा की है। तस्वीर में दोनों लोग एयर फोर्स वन में मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं और ट्रंप ने वह हैट पकड़ी हुई है। ट्रंप ने सबसे पहले जून में 12 दिन के युद्ध के दौरान कहा था कि अगर ईरान के शासक ईरान को फिर से महान नहीं बना सकते तो सत्ता परिवर्तन पर विचार किया जाना चाहिए। ग्राहम ने लिखा, " तानाशाही के खिलाफ खड़े ईरान के बहादुर लोगों पर भगवान की कृपा हो और वे सुरक्षित रहें।"
उन्होंने देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया। वाशिंगटन इंस्टीट्यूट में ईरान मामलों के विशेषज्ञ होली डैग्रेस ने कहा कि इस फोटो की कई तरह से व्याख्या की जा सकती है, लेकिन यह कम से कम यह दिखाता है कि ईरान का मुद्दा राष्ट्रपति ट्रंप के ध्यान में है। डैग्रेस ने कहा, " दुनिया का ज्यादातर ध्यान वेनेजुएला पर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस हैट के साथ फोटो खिंचवाकर यह जता दिया है कि उनका ध्यान ईरान पर भी है।"
डैग्रेस ने कहा कि यह समझना मुश्किल है कि राष्ट्रपति का अगला कदम क्या होगा। उल्लेखनीय है कि पूरे ईरान में प्रदर्शनकारी देश के सुप्रीम लीडर के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। ट्रंप ने दो बार चेतावनी दी है कि अगर ईरानी अधिकारी प्रदर्शनकारियों को मारते हैं तो अमेरिका सख्ती से जवाब देगा। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान विरोध प्रदर्शन के नौवें दिन अब तक कम से कम 19 प्रदर्शनकारी और सुरक्षा बलों का एक सदस्य मारा गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को दी नववर्ष की शुभकामना

बिनय मिश्रा : नववर्ष 2026 के अवसर पर चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवासीय कार्यालय में मिले और डॉ. जोजेफ मर्फी की लिखी पुस्तक भेंट देकर उन्हें नववर्ष की शुभकामना और बधाई दी। श्री अग्रवाल के द्वारा पुस्तक भेंट करना शिक्षा के प्रति उनके लगाव को दशार्ता है।

गौरतलब हो कि श्री अग्रवाल 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। चतरा के 32 वें पुलिस अधीक्षक के रूप में श्री अग्रवाल ने 28 मई 2025 को अपना पदभार ग्रहण किया। चतरा से पूर्व वे रांची के लोकप्रिय ग्रामीण एसपी भी रह चुके हैं।

उपायुक्त ने खेलने वाले बच्चों की सुधि ली

चतरा : जिला की सर्वोच्च पदाधिकारी चतरा की उपायुक्त कार्यक्रम में शामिल होने के जाने के दौरान बच्चों को बिना जूते पहने ही खेलते देखी तो उन्हें इस दृश्य ने उन्हें काफी मर्ममाहित किया । इस घटना को काफी गंभीरता से लेते हुए खेलने वाला बच्चों की सुधि ली। ऐसे उपायुक्त से निश्चित तौर पर जिला वासियों को गर्व और फक्र है क्योंकि जिनका मूल उद्देश्य विकास और राहत है। उनकी आंखों के सामने यह दृश निश्चित तौर पर पीड़ा जनक रहा होगा ऐसे आईएएस अधिकारी एवं जिला के उपायुक्त से लोगों को काफी उम्मीद और आशा रहती है और चित्र के उपाय अपने यह साबित किया कि वह जिला प्रशासन की ओर से सदैव जिला को बेहतर और राहत पहुंचाने वाले कार्य करने में कदापि उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करती हमें ऐसे उपायुक्त पर गर्व और नाज है।

डोरंडा थाना क्षेत्र से चोरी हुई चार गायें बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रांची : डोरंडा थाना क्षेत्र से चोरी हुई चार गायों को पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना में शामिल मुख्य आरोपी गुड्डू कुरैशी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डोरंडा थाना क्षेत्र में बीते दिनों चार गायों की चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर डोरंडा थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे, जिसके बाद मुख्य आरोपी गुड्डू कुरैशी को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने लोहरदगा थाना क्षेत्र के ख्वाजा गुलजार नगर में एक खेत में छुपाकर बांध कर रखी गई चारों गायों को बरामद किया। पुलिस के अनुसार, चोरी के बाद आरोपी ने गायों को पहचान से बचाने के उद्देश्य से सुनसान स्थान पर छुपाकर रखा था।

बरामदगी के बाद गायों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और उनके मालिकों की पहचान की जा रही है, ताकि उन्हें जल्द से जल्द सौंपा जा सके। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इस सफल कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है। वहीं पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सघन जांच और गश्त की जा रही है तथा चोरी जैसी घटनाओं में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

बारीगोड़ा क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज जल्द बनाए रेलवे: जिला पार्षद

जमशेदपुर : बारीगोड़ा क्रॉसिंग पर रेलवे को जल्द ओवर ब्रिज बनाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई हादसा नहीं हो। मंगलवार को चक्रधरपुर मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया से मिलकर जिला पार्षद कुसुम पूर्ति ने यह मांग उठाई है। जिला पार्षद ने डीआरएम को एक दिन पूर्व क्रॉसिंग के पास बस का ब्रेक फेल होने से किशोरी की मौत की जानकारी दी। जिला पार्षद ने डीआरएम से कहा कि रेलवे को ट्रेन परिचालन और राजस्व के साथ जन सुविधा का भी ध्यान रखना चाहिए। बारीगोड़ा क्रॉसिंग पर जल्द ओवर ब्रिज का निर्माण नहीं होने पर पंचायत प्रतिनिधि आंदोलन करेंगे।

मकर संक्रांति व टुसू पर्व को लेकर हुई बैठक, कमेटी का गठन

गुवा : मंगलवार को गुवा के जाटा हाटिंग बस्ती में आगामी 14 जनवरी को मनाए जाने वाले मकर संक्रांति एवं टुसू पर्व को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बस्ती के समाजसेवी दीनबंधु भंज ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मकर संक्रांति एवं टुसू पर्व को पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक के दौरान पर्व के सफल आयोजन हेतु कमेटी का गठन किया गया। मुख्य कमेटी में अध्यक्ष दीनबंधु भंज, उपाध्यक्ष गोमा लोहार, सचिव सोनू महापात्रो, सह सचिव शंकर दास, कोषाध्यक्ष पंकज पान एवं सह कोषाध्यक्ष रोहित लोहार को चुना गया। वहीं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला कमेटी का भी गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष शिवानी गोप, उपाध्यक्ष सरस्वती देवी, सचिव सिम्मी दास, सह सचिव तुलसी सिंह, कोषाध्यक्ष सावित्री देवी एवं सह कोषाध्यक्ष रानी देवी को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। निर्णय लिया गया कि 13 जनवरी को मां टुसू प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 14 जनवरी को बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। 15 एवं 16 जनवरी को पारंपरिक फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं 16 एवं 17 जनवरी को लड़कियों एवं महिलाओं के लिए नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

विधायक के पहल पर पेयजल संकट का समाधान, ग्रामीणों ने जताया आभार

संवाददाता

कोलेबिरा : प्रखण्ड अंतर्गत डोमटोली पंचायत के घासीलारी जोजो टोली में पिछले करीब 30 दिनों से गंभीर पेयजल संकट बना हुआ था।गांव में पानी की किल्लत से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या की जानकारी जैसे ही डोमटोली पंचायत अध्यक्ष अशोक लुगुन ने कोलेबिरा के माननीय विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी को दी,विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कोलेबिरा कांग्रेस पश्चिमी मंडल अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधायक के निर्देश पर राकेश कोनगाडी ने पेयजल विभाग के जेई से संपर्क कर जल मीनार की मरम्मत एवं पेयजल आपूर्ति बहाल कराने को कहा। विभाग की त्वरित कार्रवाई से आज जल मीनार की मरम्मत पूरी कर ली गई,जिसके बाद गांव में फिर से पेयजल आपूर्ति शुरू हो गई।

पेयजल समस्या के समाधान से प्रसन्न गांव के मनीष जोजो, रंजीत जोजो,सुशील जोजो, अणिमा जोजो,सेलेस्टीन जोजो,रश्मि जोजो सहित अन्य ग्रामीणों ने माननीय विधायक नमन विक्सल कोनगाडी जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राकेश कोनगाड़ी ने ग्रामीणों को संबोधित करते कहा कि क्षेत्र की जनता की हर समस्याओं का समाधान करना विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी की पहली प्राथमिकता है।उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि क्षेत्र में किसी भी तरह की समस्या हो तो वे सीधे उन्हें जानकारी दें,ताकि क्षेत्र की सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

नगर निकाय चुनाव नहीं कराना चाहती है राज्य सरकार : सुदर्शन भगत

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड में दो वर्षों से लंबित नगर निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। सिमडेगा में आयोजित धरना-प्रदर्शन में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत ने हेमंत सोरेन सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया।

सुदर्शन भगत ने कहा कि राज्य में नगर निकाय चुनाव नहीं कराना सरकार की नीयत और नीति दोनों पर सवाल खड़े करता है। जनप्रतिनिधियों के बिना नगर निकाय अफसरशाही के भरोसे चल रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार चरम पर है और आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में रघुवर सरकार ने दलीय आधार पर ईवीएम से नगर निकाय चुनाव कराकर लोकतंत्र को मजबूत किया था, लेकिन आज हेमंत सरकार चुनाव से डर रही है। न्यायालय के निर्देश पर ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद सरकार जानबूझकर चुनाव टाल रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी संभावित हार से भयभीत होकर नगर निकाय चुनाव को दलीय आधार पर नहीं कराना चाहती। ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव कराने की साजिश रची जा रही है, ताकि भ्रष्टाचार और धांधली को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि देश डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है, वहीं झारखंड सरकार जनता को पिछड़े सिस्टम की ओर धकेल रही है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि नगर निकाय चुनाव नहीं होने के कारण राज्य को केंद्र सरकार से मिलने वाली करोड़ों रुपये की अनुदान राशि से भी वंचित होना पड़ रहा है, जिसका सीधा नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है।

कार्यक्रम के अंत में भाजपा की ओर से महामहिम राज्यपाल झारखंड के नाम नगर परिषद को ज्ञापन देकर मांग की गई कि नगर निकाय चुनाव अविलंब, दलीय आधार पर और ईवीएम के माध्यम से कराए जाएं। भाजपा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंटना बंद नहीं किया तो पार्टी सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष तेज करेगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रणव कुमार ने किया स्वागत भाषण कार्यक्रम सह संयोजक मुकेश श्रीवास्तव ने किया मंच संचालन महामंत्री और कार्यक्रम के संयोजक दीपक पुरी ने किया धन्यवाद ज्ञापन संभु भगत ने किया।

मौके पर श्रद्धानन्द बेसरा ओमप्रकाश साहु दुर्गविजय सिंहदेव रामविलास बड़ाईक संजय ठाकुर प्रणव कुमार राकेश रविकांत रवि गुप्ता तुलसी साहु माग्रेट बा अनुप केशरी हीरा राम उपेंद्र श्रीवास्तव अनिरुद्ध सिंह दीपनारायण दास घनश्याम केशरी ने भी अपने विचार रखें।कार्यक्रम में अनूप प्रसाद रेणु पूरी सीखा अग्रवाल चंदन प्रसून कुलदीप मिश्रा बिधा बड़ाईक कृष्णा ठाकुर महावीर बड़ाईक संजय शर्मा सुभाष महतो सन्टू गुप्ता करण सिंह नवीन सिंह सुरेंद्र प्रसाद गजानंद बेसरा मुकेश मिश्रा अनूप साहू गणेश रावत घनश्याम सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयंती पर याद किए गए साहित्यकार फिलिप्स

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के स्नातकोत्तर संताली विभाग द्वारा सोमवार को संताली भाषा के महान साहित्यकार, शोधार्थी एवं विद्वान रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स की 214वीं जयंती तथा भारतीय संविधान के संताली भाषा में अनुवाद करने वाले विद्वानों का सम्मान समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील टुडू ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के मानविकी संकायाध्यक्ष एवं संताल परगना महिला महाविद्यालय, दुमका के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार गुप्ता थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय संविधान का संताली भाषा में अनुवाद करने वाली टीम की प्रमुख सदस्य डॉ. मेरी मारग्रेट टुडू (प्राचार्या, मॉडल कॉलेज, विजयीपुर, दुमका), डॉ. ईश्वर मरांडी (सहायक प्राध्यापक, एसपी महिला कॉलेज, दुमका) तथा प्रो. तनुश्री सिंह मुर्मू (सहायक प्राध्यापक, वर्धमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल) उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक संताली रीति-रिवाजों के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत मंदार की थाप, लोटा-पानी एवं पारंपरिक सम्मान विधि से किया गया। इसके पश्चात वीर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू एवं रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया।

स्वागत भाषण में विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील टुडू ने कहा कि जेरेमिया फिलिप्स का योगदान केवल संताली भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने संताली समाज को शिक्षा, भाषा और साहित्य के माध्यम से नई दिशा दी। इसके उपरांत डॉ. अमित मुर्मू ने जेरेमिया फिलिप्स के जीवन, संघर्ष और साहित्यिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया नवनिर्मित टीओपी का किया शुभारंभ

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ द्वारा सोमवार को नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराना प्राइवेट बस स्टैंड के समीप टीओपी का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कुल ऐसे 06 टीओपी का निर्माण कराया गया है। इसी कड़ी में आज पुराना प्राइवेट बस स्टैंड समीप टीओपी का शुभारंभ किया गया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा तो मिलेगी ही साथ ही अन्य के महिनों में भी इन टीओपी के माध्यम से आमजनमानस की सुरक्षा होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस

अधीक्षक के साथ शहर के विभिन्न संवेदनशील स्थलों के साथ-साथ मंदिर क्षेत्रों का मैपिंग कर लिया गया है, इन क्षेत्रों में सुरक्षाबलों व टीओपी को तकनीकी रूप से और भी मजबूत किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में सीसीटीवी के साथ-साथ एएनपीआर कैमरे का अधिष्ठापन जल्द ही कराया जायेगा, जिससे क्राईम कन्ट्रोल में मदद तो मिलेगी ही साथ ही असमाजिक तत्वों को सीसीटीवी के फुटेज के माध्यम से चिन्हित कर उनपर कड़ी कार्रवाई की जा सकेगी।

मौके पर उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ ने मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए देवघर पुलिस द्वारा पुराने प्राइवेट बस स्टैंड समीप टीओपी का निर्माण कराया गया है। कई बार हमलोगों को शिकायत मिल रही थी कि यहां छिनतई व आपराधिक घटनाएं यहां घटित हो रही थी।

नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ के कार्यों की हुई समीक्षा

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, ठंड से बचाव की व्यवस्थाओं तथा नागरिक सुविधाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

नगर परिषद दुमका के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी स्ट्रीट लाइट हर हाल में कार्यरत रहें, इसे सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जिन दुकानों द्वारा डस्टबिन नहीं रखा जा रहा है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जाए।

उपायुक्त ने रैन बसेरा की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि वहां ठहरने वाले लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कंबल वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि शेष कंबल वितरण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं नियमित रूप से संचालित करने का निर्देश दिया।

नगर पंचायत बासुकीनाथ के कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने स्ट्रीट लाइट की मैपिंग कर सभी खराब स्ट्रीट लाइट को अविलंब दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से फॉगिंग कराने पर जोर दिया।

बैठक में जानकारी दी गई कि बासुकीनाथ क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्य किया जा रहा है। इस पर उपायुक्त ने कहा कि पूरे बासुकीनाथ क्षेत्र में रोशनी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने आकर्षक एवं रंगीन लाइटों के अधिष्ठापन का भी निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित अधिकारियों को नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए समन्वय के साथ कार्य करने तथा शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बीडीओ व सीओ के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की । बैठक में शीतलहर से बचाव, कंबल वितरण, अलाव व्यवस्था, पेयजल, धान अधिप्राप्ति, रोजगार एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि सभी प्रखंडों को कंबल प्राप्त हो चुका है। इस पर उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में कंबल वितरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर आगामी दो दिनों के भीतर पूर्ण किया जाए तथा पंचायत स्तर पर जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्तियों तक कंबल पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शीतलहर को देखते हुए सभी अंचलों में अलाव की समुचित एवं सतत व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

आपनार आतो कामी कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय जागरूकता एवं रोजगार शिविरों के आयोजन की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने

बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ना है, ताकि लोग अपने क्षेत्र में ही रहकर आत्मनिर्भर बन सकें। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत 17 जनवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पेयजल से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी खराब चापानलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

धान अधिप्राप्ति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी प्रखंडों में अधिप्राप्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा लाभुकों को ससमय भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिन प्रखंडों में धान अधिप्राप्ति की प्रगति कम पाई गई है, वहां संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को लैम्पस का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। विशेष रूप से जरमुंडी, शिकारीपाड़ा, मसलिया, गोपीकांदर एवं रानेश्वर प्रखंडों के उन लैम्पस, जहां धान अधिप्राप्ति कम हो रही है, वहां नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रगति बढ़ाने पर बल दिया गया। उन्होंने बताया कि धान अधिप्राप्ति के उपरांत लाभुकों को एकमुश्त राशि का भुगतान किया जा रहा है।